पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

सलमान खान की नई फिल्म का ऐलान

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का

उल्हास विकास

लोकप्रिय हिंदी दैनिक

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 26 ■ बुधवार 1 अप्रैल 2026 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

उल्हासनगर के लोगों का पानी और महंगा होगा

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगर पालिका की जनरल मीटिंग में बजट पर चर्चा हुई और पानी के टैरिफ बढ़ाने को मंज़ूरी दी गई. मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले ने महापौर अश्विनी निकम के सामने 997.27 करोड़ का बजट पेश किया था. सोमवार को स्पेशल जनरल मीटिंग में 1504.38 करोड़ का बजट मंज़ूर किया गया, जिसमें 507 करोड़ की बढ़ोतरी की गई. शिंदे सेना ग्रुप के लीडर अरुण आशान, राजेंद्र चौधरी, BJP ग्रुप के लीडर राजेश वढारिया, शेरी लुंड वगैरह ने ओवरड्यू प्रॉपर्टी, टाउन प्लानिंग डिपार्टमेंट में कंस्ट्रक्शन लाइसेंस फीस और गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन को रेगुलराइज़ करने से होने वाली इनकम में 507 करोड़ की बढ़ोतरी दिखाई.

डेवलपमेंट को बढ़ावा देने वाला बजट- निकम

महापौर अश्विनी निकम ने इस पर रिएक्शन दिया है कि यह शहर के डेवलपमेंट के लिए बजट है. स्मार्ट सड़कों, मॉडर्न कम्युनिटी मंदिरों, पानी सप्लाई के सोर्स, डंपिंग वगैरह को प्राथमिकता दी गई है. नगर पालिका ने अंडरग्राउंड सीवरेज स्कीम और पानी सप्लाई और डिस्ट्रीब्यूशन स्कीम के 30 परसेंट के पेमेंट के लिए पहले ही 100 करोड़ रुपये का लोन ले लिया है.

मनपा का 1500 करोड़ का बजट मंजूर

वित्त वर्ष 2026-27 7वीं से 12वीं तक की छात्राओं के लिए 500 रुपये की स्कॉलरशिप शुरू

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगरपालिका का वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 997.23 करोड़ रुपये का बजट बुधवार को आयुक्त मनीषा आव्हाले ने महासभा में पेश किया। इसमें 500 करोड़ रुपये की भारी बढ़ोतरी की गई और देर रात तक चली महासभा में एक वोट से 1504 करोड़ रुपये के बजट को मंज़ूरी दे दी गई। इस बजट में, महापौर अश्विनी निकम ने कक्षा 7वीं से 12वीं तक की छात्राओं के लिए हर महीने 500 रुपये की स्कॉलरशिप स्कीम की घोषणा की। हालांकि, इस स्कीम को पूर्व MLA ज्योति कालानी का नाम दिए जाने का BJP ने विरोध किया.

दोपहर 12 बजे शुरू हुई महानगर पालिका की बजट महासभा नगरसेवकों द्वारा अलग-अलग स्थानीय मुद्दों पर अपनी मजबूत राय देने के कारण देर तक चली. BJP पार्षद मीना आयलानी ने समाज मंदिर के 500 रुपये किराए को लेकर अपनी बात साफ की। शिवसेना की मीना सोंडे और जमनू पुरसवानी ने इस फैसले का सपोर्ट किया। इस बीच, शिवसेना नगरसेवक महेश सुखरामानी ने समाज मंदिर के इस्तेमाल पर गंभीर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि योग सेंटर के तौर पर इसका इस्तेमाल बंद कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि देर रात तक DJ बजाने, प्रोग्राम के बाद शराब पीने और बाहरी लोगों की ऑनलाइन बुकिंग से परेशानी बढ़ रही है।

मीना आयलानी ने इस बात पर भी अफसोस जताया कि वार्ड में होने की वजह से मेंटेनेंस का खर्च हमें उठाना पड़ता है, लेकिन इनकम मनपा प्रशासन लेता है।

भाजपा जिलाध्यक्ष व नगरसेवक राजेश वधरिया ने बताया कि एजुकेशन बोर्ड के लिए 50 करोड़, डॉग शेल्टर के लिए 5 करोड़, झूलेलाल मार्केट के लिए 1 करोड़, मनपा स्कूलों, पार्कों में सोलर पैनल और सड़कों की कंक्रीटिंग के लिए फंड दिए गए हैं। सभागृह नेता अरुण आशान ने फायर फाइटिंग के लिए 8 करोड़, मल्टीस्टोरी बिल्डिंग में आग लगने पर फायर ब्रिगेड के लिए एक मॉडर्न गाड़ी, हॉस्पिटल के लिए 2 करोड़, साथ ही श्मशान घाट में फैसिलिटी बनाने का प्रोपोजल रखा। कुल मिलाकर, बजट में भले ही अलग-अलग डेवलपमेंट के कामों के लिए प्रोविज़न किए गए हैं, लेकिन नगरसेवकों ने मूलभूत सुविधा के मुद्दों पर प्रशासन पर सवाल उठाए।

MJP प्लॉट पर स्विमिंग पूल बनाने की भी मांग

उल्हासनगर कैंप 3 में सिर्फ एक स्विमिंग पूल है और वह भी बीओटी के सिद्धांत पर दिया गया है। इसलिए, BJP पार्षद शेरी लुंड ने कैंप 4 और 5 के लोगों के लिए स्विमिंग पूल बनाने की मांग की। उन्होंने कहा कि स्विमिंग एक अच्छी एक्सरसाइज है और रीढ़ की हड्डी की सेहत के लिए भी फायदेमंद है। भारिप के नगरसेवक विकास खरात ने कैंप 5 में समता नगर के सामने MJP प्लॉट पर स्विमिंग पूल और जिम बनाने की भी मांग की। दिलीप गायकवाड़ ने पार्कों के रखरखाव के लिए माली और सिक्योरिटी गार्ड रखने की ज़रूरत बताई। इस पर महापौर अश्विनी निकम ने साफ़ किया कि बजट में इसके लिए प्रोविज़न किया गया है।

BJP ने ज्योति कालानी के नाम का विरोध किया

उल्हासनगर मनपा की बजट मीटिंग में स्कॉलरशिप स्कीम को लेकर शिवसेना और BJP के बीच तीखी बहस हुई। क्लास 7 से 12 तक के स्टूडेंट्स को हर महीने 500 रुपये स्कॉलरशिप देने के प्लान का ऐलान किया गया। महापौर अश्विनी निकम ने इस स्कीम का नाम स्वर्गीय MLA ज्योति कालानी के नाम पर रखने का फैसला किया। हालांकि, BJP ग्रुप लीडर राजेश वधरिया ने इस नामकरण का कड़ा विरोध किया। उन्होंने मांग की कि स्कीम का नाम महान शिक्षिका सावित्रीबाई फुले के नाम पर रखा जाए। शिवसेना के नगरसेवकों ने इस पर अपनी बात साफ करते हुए कहा कि चूंकि यह स्कीम पहली बार म्युनिसिपल लेवल पर लागू की जा रही है, इसलिए इसका नाम स्वर्गीय ज्योति कालानी के नाम पर रखना उनके काम को श्रद्धांजलि है।

समाज हॉल मुफ्त उपलब्ध कराया जाए -सुखरामानी

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा की महासभा में बजट पर चर्चा के दौरान नगरसेवक महेश सुखरामानी ने जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को जोरदार तरीके से उठाया। शिवसेना नगरसेवक महेश सुखरामानी ने मांग किया कि उल्हासनगर शहर में समाज हॉल के उपयोग के लिए आम जनता से लिया जाने वाला 500 शुल्क पूर्णतः समाप्त किया जाए और इसे सभी नागरिकों के लिए निशुल्क किया जाए। उनका कहना था कि यह शुल्क विशेष रूप से गरीब एवं मध्यम वर्ग के लोगों के लिए बोझ साबित होता हो रहा है। जिससे वह अपने सामाजिक एवं पारिवारिक कार्यक्रम आयोजित करने में असमर्थ हो रहे हैं।

इसके साथ ही महेश सुखरामानी ने यह भी प्रस्ताव रखा कि प्रत्येक नगरसेवक के वार्ड में कम से कम एक समाज हॉल मुफ्त उपलब्ध कराया जाए। इससे स्थानीय नागरिकों को हॉल की सुविधा आसानी से प्राप्त होगी और उन्हें चाबी लेने के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा।

सुखरामानी ने स्पष्ट कहा कि समाज हॉल जैसी मूलभूत सुविधाएं हर नागरिक का अधिकार हैं और महानगरपालिका की आयुक्त आव्हाळे को इस दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए, ताकि आम जनता, विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, अपने सामाजिक कार्यक्रम सम्मानपूर्वक आयोजित कर सके।

कांवेंट स्कूल की तरह UMC स्कूल भी हाईटेक हो

■ शिवसेना नगरसेवक दुर्गा राय की मांग

उल्हासनगर : उल्हासनगर महानगरपालिका के अधीन संचालित हिंदी व मराठी माध्यम के स्कूलों का सालाना बजट करीब 50 करोड़ रुपये होने के बावजूद विद्यार्थियों की संख्या मात्र साढ़े तीन हजार के आसपास होने का मुद्दा विशेष महासभा में जोरदार तरीके से उठाया गया. शिवसेना के नगरसेवक दुर्गा राय ने शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग करते हुए महापालिका प्रशासन को कई अहम सुझाव दिए.

■ मनपा स्कूलों को हाईटेक बनाने की मांग

दुर्गा राय ने आगे कहा कि महापालिका स्कूलों को हाईटेक बनाकर विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए. स्मार्ट क्लासरूम, डिजिटल लर्निंग, कंप्यूटर लैब, बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था उपलब्ध कराए जाने से विद्यार्थियों की संख्या बढ़ेगी और अभिभावकों का भरोसा भी मजबूत होगा. उन्होंने प्रशासन से जल्द ठोस निर्णय लेकर महापालिका स्कूलों की गुणवत्ता सुधारने की मांग की है, ताकि शहर के विद्यार्थियों को बेहतर और प्रतिस्पर्धात्मक शिक्षा मिल सके.

■ कांवेंट स्कूल के मनमानी फीस और डोनेशन पर लगेगा लगाम.

शिवसेना नगरसेवक दुर्गा राय ने कहा कि शहर में निजी कांवेंट स्कूलों द्वारा लाखों रुपये की फीस वसूली जा रही है, जिसके कारण मध्यमवर्गीय और गरीब परिवार अपने बच्चों को इंग्लिश मीडियम स्कूलों में पढ़ाने में असमर्थ हैं.

ऐसे में महानगरपालिका के प्राथमिक स्कूलों को इंग्लिश मीडियम में परिवर्तित कर उन्हें 10वीं तक सीबीएसई बोर्ड से जोड़ा जाए, ताकि शहर के सामान्य परिवारों के बच्चों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके.

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि महापालिका स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को प्रशासन की ओर से दिए जाने वाले रेनकोट, किताब-कॉपी, स्कूल बैग सहित अन्य शैक्षणिक साहित्य की खरीद में अनियमितता हो रही है. इस पूरे मामले की जांच कर जिम्मेदारों पर कार्रवाई करने की मांग भी उन्होंने की.

बुवापाड़ा में दो गुटों के बीच जमकर लाठियां

■ चूल्हे की जलती लकड़ियों को एक-दूसरे पर फेंका गया

■ 7 पर अपराध दर्ज

अंबरनाथ. अंबरनाथ के बुवापाड़ा में दो गुटों के बीच जमकर लाठियां चलीं. आग में जलती हुई लकड़ियों को एक दूसरे पर फेंकर मारा गया है. पता चला है कि हाथगाड़ी पर से ये झगड़ा हुआ है, जिसमें कुछ लोग घायल हुए हैं. अंबरनाथ पुलिस ने बताया कि दोनों गुट के 7 लोगों पर अपराध दर्ज हुआ है. इस झगड़े का वीडियो भी वायरल हुआ है. झगड़े में महिलाएं, बच्चे, युवक, पुरुष लाठी-डंडे एवं पास में चूल्हे में जल रही लकड़ियों को एक-दूसरे पर फेंका गया है. महिलाओं ने भी लकड़ी डंडे का प्रयोग किया है. ये दो गुटों के बीच फ्री स्टाइल मारामारी रविवार रात में बुवापाड़ा के खदान रोड के पास हुई है. पुलिस से अधिक जानकारी नहीं मिल सकी है. कुछ को पकड़कर पुलिस पूछताछ कर रही है. वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शब्बीर सय्यद ने हमें बताया कि एक गुट के 6 और दूसरे गुट के एक पर कार्रवाई की गई है. ये दो गुट की महिलाएं पुरुष आपस में लड़ रहे थे और कुछ तमाशबीन झगड़े को खत्म करने का प्रयास करने के बजाय मोबाइल से वीडियो शूटिंग करते देखे गए. सीएनजी गैस नहीं मिलने के कारण लकड़ी जलाकर चूल्हे पर भोजन बनाया जा रहा था. उसी चूल्हे से जलती हुई लकड़ियां एक-दूसरे पर फेंकी गई है.

खुलेआम बिक रहा गुटखा

उल्हासनगर. शहर में सरकार द्वारा प्रतिबंधित गुटखा की खुलेआम बिक्री जारी है, जिससे नागरिकों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है. सार्वजनिक चौकों, दुकानों और स्टॉलों पर बिना किसी रोक-टोक के गुटखा बिक रहा है, जबकि जिम्मेदार विभाग निष्क्रिय नजर आ रहे हैं. स्थानीय लोगों का कहना है कि जहां अंबरनाथ नगरपालिका के स्वास्थ्य विभाग ने स्कूल और मंदिर क्षेत्रों में गुटखा बेचने वालों पर कार्रवाई की, वहीं उल्हासनगर में अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया. इससे मनपा के स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं.

कैंप नंबर-5 के कैलाश कॉलोनी क्षेत्र में खुलेआम गुटखा बेचे जाने की शिकायतें सामने आई हैं. नागरिकों ने आरोप लगाया है कि खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग जानबूझकर इस अवैध कारोबार को नजरअंदाज कर रहा है, जिससे युवा नशे की गिरफ्त में जा रहे हैं.

■ छापेमारी के बावजूद कार्रवाई अधूरी

पिछले सप्ताह कैंप नंबर-3 के रेणुका सोसाइटी इलाके में भारी मात्रा में गुटखा बरामद किया गया था. मध्य पुलिस ने छापेमारी कर कार्रवाई भी की, लेकिन खुदरा विक्रेताओं पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से सवाल उठ रहे हैं. डॉक्टरों और नागरिकों का कहना है कि गुटखा के सेवन से तपेदिक (टीबी), कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ता है. क्षेत्र में टीबी के मरीजों की संख्या बढ़ने की भी चिंता जताई जा रही है.

■ कार्रवाई की मांग तेज

स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से तत्काल सख्त कदम उठाने और गुटखा बिक्री पर पूरी तरह रोक लगाने की मांग की है, ताकि युवाओं को नशे से बचाया जा सके और शहर में स्वास्थ्य संबंधी खतरे को कम किया जा सके.

अंबरनाथ : गृहकर भरने वालों की भारी भीड़

■ 50% छूट को एक माह और बढ़ाने की अपील

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद में 2025-26 के लिए गृहकर भरने एवं ब्याज पर 50% की छूट की अंतिम तारीख को देखते हुए करदाताओं की भारी भीड़ हो गई है. गत तीन दिनों से सुबह 10 बजे से रात 11 बजे तक गृहकर विभाग के कर्मचारी मेहनत से काम करते हुए देखे जा रहे हैं.

नगराध्यक्षा ने शहरवासियों से अपील की है कि वह आनलाइन घर बैठे भी गृहकर भर सकते हैं. उसका लाभ उठाएं. गृह कर पर लगने वाले ब्याज में 50% की छूट देने के कारण इसका लोग लाभ उठा रहे हैं. नपा की आमदनी भी बढ़ गई है. भारी बीड़ होने के कारण अफरातफरी का आलम है. अलग से टेबल भी लगाए गए हैं. लेकिन भीड़ है कि बढ़ती ही जा रही है. गृहकर विभाग के अधिकारी नरेंद्र संखे एवं प्रशांत राणे भी इस पर ध्यान दे रहे हैं कि किसी को परेशानी ना हो. 31 मार्च के बाद प्रापर्टी टैक्स पर लगने वाले जुर्माना पर 50% छूट नहीं मिलेगा. इसलिए इसका लाभ उठाने के लिए लोगों ने भीड़ की है. मुख्याधिकारी ने भी लोगों से अपील की है कि समय पर गृहकर भरकर एवं 50% छूट का लाभ उठाएं. उन्होंने प्रशासन से सहयोग करने की अपील की है. शहर के कुछ नेताओं ने नगर परिषद से अपील की है कि 50% की छूट की मुदत को 31 मार्च से कम-से-कम एक महिना और आगे बढ़ाया जाए. 50% शास्ती कर में छूट के कारण इस वर्ष अंबरनाथ नपा के खजाने में अच्छी खासी रकम जमा होने वाली है. अभी तक इसके आंकड़े नहीं मिल पाए हैं.

बदलापुर में 36 लावारिस वाहनों की होगी नीलामी

अंबरनाथ. अंबरनाथ यातायात उपविभाग द्वारा लावारिस दोपहिया वाहनों के भंगार का नीलाम किया जाएगा. 36 लावारिस वाहनों की नीलामी बदलापुर में की जाएगी. ऐसी जानकारी हमें अंबरनाथ यातायात के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक लक्ष्मण कांबले ने दी है.

कुलगांव बदलापुर पुलिस स्टेशन ठाणे ग्रामीण के पीछे बदलापुर पूर्व में इन वाहनों के भंगार को देखने के लिए रखा गया है. ये नीलामी एकत्रित रूप से की जाएगी. नीलामी में इन वाहनों को खरीदने वाला इस्तेमाल नहीं कर सकता है. ऐसी शर्त रखी गई है. इन वाहनों के पार्ट अलग करके ही भंगार में बेचा जा सकता है. ये नीलामी 9 अप्रैल गुरुवार को सुबह 11 बजे कुलगांव बदलापुर पुलिस स्टेशन के पीछे, बदलापुर पूर्व में होगी. नीलामी में भाग लेने वालों से कहा गया है कि वह सही समय पर नीलामी स्थान पर एकत्रित हो जाएं. विदित हो कि अंबरनाथ यातायात उपविभाग के तहत अंबरनाथ, बदलापुर के परिसर आते हैं.

घरेलू गैस सिलेंडर की कम हुई बुकिंग

■ 2.80 लाख की वेटिंग लिस्ट घटकर सवा दो लाख हुई

ठाणे. खाड़ी युद्ध के बाद राज्य सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर बुकिंग के लिए नए नियम बनाए हैं. पहले दो घरेलू गैस वाले कंज्यूमर्स के लिए यह समय 25 दिन था. नए नियमों के मुताबिक, यह समय बढ़ाकर 35 दिन कर दिया गया है. इसके चलते ठाणे जिले में घरेलू गैस सिलेंडर बुकिंग की संख्या में करीब 65 हजार की कमी आई है. राशन डिस्ट्रीब्यूशन डिपार्टमेंट ने बताया कि गैस सिलेंडर की वेटिंग लिस्ट, जो पहले करीब 2.80 लाख थी, वह घटकर सवा 2 लाख हो गई है.

ठाणे राशन डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिस ने जिले में गैस सिलेंडर के स्टॉक का रिव्यू करने और ब्लैक मार्केटिंग रोकने के लिए सतर्कता बरती है. इसी के तहत इंस्पेक्टरों को अपॉइंट किया गया है. पहले जिले के शहरी इलाकों में रोजाना 80 हजार घरेलू गैस सिलेंडर बुक हो रहे थे. हालांकि, घरेलू गैस सिलेंडर की सप्लाई में कुछ बदलाव किए गए हैं. इस वजह से ठाणे जिले में घरेलू गैस सिलेंडर की बुकिंग कम हो गई है. पहले हर दिन 80 हज़ार गैस सिलेंडर बुक होते थे. अब यह संख्या घटकर लगभग 60 हज़ार रह गई है. इस बीच, गैस सिलेंडर के लिए वेटिंग लिस्ट घटकर लगभग 2.80 लाख हो गई है और राशन डिस्ट्रीब्यूशन डिपार्टमेंट के मुताबिक यह सवा दो लाख हो गई

■ घरेलू गैस सिलेंडर की रेगुलर सप्लाई

ठाणे राशन डिस्ट्रीब्यूशन, F ज़ोन के डिप्टी कंट्रोलर प्रशांत काले ने संपर्क करने पर कहा कि घरेलू गैस सिलेंडर की रेगुलर सप्लाई हो रही है. गैस सिलेंडर को लेकर चल रही चर्चा और लोगों में गैस सिलेंडर को लेकर पैदा हुए डर की वजह से बुकिंग की संख्या बढ़ रही है. इसलिए, हर दिन 80 हज़ार घरेलू गैस सिलेंडर बुक होते थे. अभी यह संख्या घटकर लगभग 60 से 65 हज़ार हर दिन रह गई है. ऐसा देखा जा रहा है कि घरेलू गैस सिलेंडर की बुकिंग में कमी आई है. काले ने बताया कि ईरान, अमेरिका और इज़राइल के बीच तनाव दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है. इस बढ़ते तनाव की वजह से मिनरल ऑयल और गैस के ट्रांसपोर्टेशन पर असर पड़ा है.

मेट्रो-5 कापूरबावड़ी जंक्शन पर गर्डर बिछाने का काम हुआ पूरा

ठाणे. ठाणे, भिवंडी और कल्याण के उपनगरों को मुंबई से जोड़ने वाले बड़े 'ऑरेंज लाइन' (मेट्रो-5) प्रोजेक्ट ने आखिरकार रफ़्तार पकड़ ली है. ठाणे में कापूरबावड़ी नाका के पास रूट में आखिरी और सबसे मुश्किल टेक्निकल रुकावट को कामयाबी से दूर कर लिया गया है. कई सालों से रुके इस फ़ेज़ के गर्डर बिछाने के काम के पूरा होने के साथ ही मेट्रो प्रोजेक्ट के पहले फ़ेज़ ने अब रफ़्तार पकड़ ली है.

कापूरबावड़ी स्टेशन के पास बस कुछ मीटर का काम एक पुरानी और खतरनाक बिल्डिंग की वजह से रुका हुआ था. इस बिल्डिंग को गिराने के बाद, एडमिनिस्ट्रेशन ने युद्धस्तर पर मेट्रो पिलर खड़े किए. 27 मार्च को इस पिलर पर मेन गर्डर लगाया गया और आधे-अधूरे बने रूट को जोड़ दिया गया. MMRDA अधिकारियों ने इस अहम मील के पत्थर के पूरा होने पर गर्डर की पूजा करके और उसे माला, फूल और झंडों से सजाकर अपनी खुशी ज़ाहिर की.

मुख्य स्टेशन

कपूरबावड़ी, बालकुम नाका, कशेली, काल्हेर, पूर्णा, अंजुर फाटा, धमनकर नाका, गोपालनगर, टेमघर, राजनोली गांव, गोवेगांव MIDC, कोंगांव, सहजानंद चौक, दुर्गाडी फोर्ट, भिवंडी, सोनाले और कल्याण (APMC).

सफ़र का समय बचेगा

यह 24.90 km लंबा 'ऑरेंज लाइन' रूट ठाणे और भिवंडी-कल्याण के लोगों के लिए लाइफ़लाइन होगा. अभी इस इलाके के लोगों को मुंबई जाने के लिए सिर्फ़ बसों और लोकल ट्रेनों पर निर्भर रहना पड़ता है. मेट्रो शुरू होने के बाद यह निर्भरता कम हो जाएगी और सफ़र तेज़ और ज़्यादा आरामदायक हो जाएगा.

दो फ़ेज़ का प्रोजेक्ट

मेट्रो-5 के काम को दो फ़ेज़ में बांटा गया है.

फ़ेज़ 1: ठाणे से भिवंडी (जिसका काम अब अपने आख़िरी स्टेज में है).

दूसरा स्टेज : भिवंडी से कल्याण

फेरीवालों का KDMC के खिलाफ मोर्चा

कल्याण. शहर में पिछले एक महीने से चल रही कार्रवाई के खिलाफ फेरीवालों का गुस्सा अब खुलकर सामने आ गया है। नाराज फेरीवालों ने बड़ा मोर्चा निकालते हुए प्रशासन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। मोर्चे के दौरान फेरीवालों ने "कार्रवाई बंद करो", "हमें जीने दो" जैसे नारे लगाकर पूरे इलाके को गूंजा दिया। बड़ी संख्या में शामिल हुए फेरीवालों ने साफ कहा कि अगर कार्रवाई नहीं रुकी तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। फेरीवालों का आरोप है कि एक महीने से मनपा लगातार उनके ठेले और स्टॉल हटाने की कार्रवाई कर रही है।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास

संपादकीय

चुनावी दहलीज पर 'मुफ्त' की रेवड़ियां

चुनाव की आहट महसूस होते ही सत्तासीन और विपक्षी दलों की ओर से मतदाताओं को लुभाने के लिए घोषणाओं का दौर शुरू हो जाता है. इस दौरान मुफ्त की रेवड़ियां बांटने का प्रचलन बढ़ता जा रहा है. अभी ज्यादा समय नहीं हुआ है, जब बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिलाओं के खाते में दस-दस हजार रुपए भेजे थे. इसी तरह अब पंजाब सरकार ने 'मुख्यमंत्री मावां-धीयां सत्कार योजना' को मंजूरी दी है.

इस योजना के तहत महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपए और अनुसूचित जाति की महिलाओं को पंद्रह सौ रुपए मिलेंगे. यह आम आदमी पार्टी का वर्ष 2022 के चुनाव से पूर्व किया गया प्रमुख वादा था, जिसे अब अगले चुनाव से एक साल पहले लागू किया जा रहा है. ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या राज्य सरकार ने अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखकर महिलाओं को यह मुफ्त की सौगात दी है?

गौरतलब है कि देश भर में चुनावों से ठीक पहले सरकारी योजनाओं को अमली जामा पहना कर मतदाताओं को लुभाने के लिए जिस तरह से प्रयास होते हैं, उस पर प्रायः सवाल उठते रहे हैं. मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की इस प्रवृत्ति से राज्यों के खजाने पर असर पड़ता है. इस मसले पर सर्वोच्च न्यायालय ने भी पिछले माह कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा था कि कई राज्य सरकारें कर्ज में डूबी हैं, फिर भी वे मुफ्त की सौगात बांट रही हैं.

इसमें दोराय नहीं कि नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं देना सरकार का कर्तव्य है, मगर चुनावी लाभ के लिए मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की जो होड़ लगी है, उसका नुकसान अंततः राज्यों को ही उठना पड़ता है. विकास की योजनाओं पर खर्च होने वाली राशि का एक बड़ा हिस्सा चुनावी घोषणाओं को लागू करने में निकल जाता है. अहम सवाल यह है कि चुनाव से पहले ही इस तरह की योजनाएं क्यों लागू की जाती हैं? जबकि कायदे से नागरिकों को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें विकास की मुख्य धारा से जोड़ने की दिशा में काम किया जाना चाहिए.

विमर्श

पहचान के संकट से जूझते समुदाय

हम प्रायः समाज को कोटियों यानी वर्गों या श्रेणियों में बांटकर देखने के आदी हो गए हैं. दलित, जनजाति, सवर्ण, हिंदू, मुस्लिम जैसी अनेक कोटियां समाज को देखने के हमारे नजरिये पर हावी रहती हैं. हम अक्सर समाज को इन्हीं स्थिर वर्गों के माध्यम से समझने की कोशिश करते हैं और मान लेते हैं कि सामाजिक वास्तविकता इन्हीं सीमाओं के भीतर पूरी तरह समाहित हो जाती है, लेकिन हम यह नहीं सोचते कि इन कोटियों के बीच भी अनेक ऐसे सामाजिक समूह मौजूद हो सकते हैं, जो इन निर्धारित श्रेणियों में पूरी तरह समाहित नहीं होते. हम यह भी समझना नहीं चाहते कि ये कोटियां हमेशा कठोर और स्थायी नहीं होतीं, बल्कि कई बार लचीली और परिवर्तनशील भी होती हैं. सामाजिक जीवन की जटिलता कई बार इन कोटियों की सीमाओं को चुनौती देती है.

वास्तव में समाज की संरचना इतनी सरल नहीं होती कि उसे केवल कुछ तयशुदा श्रेणियों में पूरी तरह समझ लिया जाए. दलित एवं जनजाति दो ऐसी कोटियां हैं, जिन्हें हमारी राजनीति और प्रशासनिक व्यवस्था ने विशेष रूप से निर्मित किया है. औपनिवेशिक जनगणना के दौरान पहली बार अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की कोटियां बनाकर अनेक विविध सामाजिक समूहों को उनमें सम्मिलित कर दिया गया. औपनिवेशिक शासन की रणनीति समाज को अलग-अलग वर्गों में बांटकर शासन को सरल बनाना और कई बार विभाजन की रेखाएं खींचना भी था. इसके

परिणामस्वरूप कई ऐसे समुदाय बने रहे, जो इन श्रेणियों में रखे जाने के बावजूद अपनी सांस्कृतिक पहचान को अलग ढंग से समझते एवं विश्लेषित करते रहे.

उदाहरण के लिए, कई दलित जातियां दलित कोटि में दर्ज होने के बावजूद अपने आपको जनजातीय विशेषताओं से युक्त मानती रही हैं. उत्तर प्रदेश और बिहार में रहने वाले मुसहर समुदाय को प्रशासनिक रूप से दलित कोटि में दर्ज किया गया है, किंतु अपनी सामाजिक और सांस्कृतिक आत्मछवि में वे अपने आपको कई जनजातीय विशेषताओं से युक्त मानते हैं. इसी प्रकार उत्तर प्रदेश के कई क्षेत्रों में कोल और खरवार जैसे समुदायों को प्रशासनिक दृष्टि से अनुसूचित जाति में रखा गया है, जिन्हें कई स्थानों पर जनजातीय माना जाता है. उनके दैनिक जीवन, कर्मकांड, पूजा-पद्धति और सांस्कृतिक व्यवहार में वैसे जनजातीय संस्कृति की स्पष्ट छाप दिखाई देती है. यह स्थिति दर्शाती है कि सामाजिक वास्तविकता प्रशासनिक वर्गीकरण से कहीं अधिक जटिल और बहुआयामी होती है. इन दोनों कोटियों के बीच भी कई ऐसे सामाजिक समूह मौजूद हैं, जो न पूरी तरह इधर के हैं और न पूरी तरह उधर के. वे सामाजिक संरचना में एक प्रकार की मध्यवर्ती स्थिति में रहते हैं. ऐसे समूहों को सिद्धांतकार 'बीच के समूह', 'बीच की अस्मिता वाले समुदाय' अथवा 'लिमिनल आइडेंटिटी' वाले समूह कहते हैं. ये समुदाय समाज की मुख्यधारा में होते हुए भी कई बार पहचान और अधिकार के स्तर पर अस्पष्ट स्थिति में रहते हैं. उत्तर प्रदेश में ऐसा ही एक समूह है-वनटांगिया समुदाय, जो मुख्यतः महाराजगंज एवं गोरखपुर क्षेत्र के जंगलों में बसता है. इनका मुख्य कार्य जंगलों में विशेष पद्धति से साखू के पेड़ लगाना था. यह स्पष्ट नहीं है कि ये समुदाय कब और कैसे इस क्षेत्र में आए, परंतु इतना निश्चित है कि अंग्रेजी शासन के समय से ही ये इस कार्य से जुड़े रहे हैं. लंबे समय तक यह समुदाय प्रशासनिक और सामाजिक दृष्टि से उपेक्षित रहा है. लंबे समय तक उनकी जमीन भी उनकी अपनी नहीं थी. जिन बस्तियों में वे रहते थे, उन्हें वैध मान्यता प्राप्त नहीं थी. उन्हें मतदान का अधिकार भी प्राप्त नहीं था और न ही सरकारी योजनाओं का लाभ व्यवस्थित रूप से मिल पाता था. जब किसी समुदाय की पहचान और निवास का वैध आधार ही न हो, तब विकास की योजनाएं भी उन तक पहुंच नहीं पातीं. योगी आदित्यनाथ ने संसद से सड़क तक लड़ाई लड़ी तब वनटांगिया गांवों को राजस्व ग्राम का दर्जा मिला और उन्हें मतदान का अधिकार प्राप्त हुआ. फिर सरकारी आवास योजनाएं, पेंशन, स्वास्थ्य सुविधाएं और अन्य कल्याणकारी नीतियां उन तक पहुंचने लगीं. इस प्रकार वे धीरे-धीरे विकास की धारा से जुड़ सके और उन्हें लोकतांत्रिक सम्मान भी प्राप्त होने लगा.

अपने जीवन को प्रेम की मधुर धुन बनाइए!

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

बुजुर्गों के आंसू पोंछने का कानून

देश में बुजुर्ग माता-पिता की उपेक्षा एक गंभीर सामाजिक समस्या बनती जा रही है. गांवों से शहरों की ओर पलायन, संयुक्त परिवारों का टूटना और तेजी से बदलती जीवनशैली के कारण बुजुर्गों की देखभाल नहीं करने के मामले बढ़ते जा रहे हैं. कई दफा माता-पिता को उम्र के आखिरी पड़ाव पर या तो अकेले रहना पड़ता है या फिर किसी वृद्धाश्रम की शरण लेने को मजबूर होना पड़ता है.

हालांकि, कानून में बुजुर्गों की देखभाल के लिए सख्त प्रावधान मौजूद हैं, इसके बावजूद उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है. कारण स्पष्ट है कि कुछ वरिष्ठ नागरिक अपने कानूनी अधिकारों को लेकर जागरूक नहीं हैं, तो कुछ शारीरिक और आर्थिक दिक्कतों की वजह से कानून की मदद नहीं ले पाते हैं. ऐसे में तेलंगाना सरकार की ओर से वरिष्ठ नागरिकों को वित्तीय सुरक्षा मुहैया कराने की पहल से एक नई उम्मीद जगी है. राज्य विधानसभा में रविवार को एक ऐसा विधेयक पारित किया गया, जिसमें सरकारी एवं निजी कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही तय करने का प्रावधान है.

हालांकि, देश में पहले से ही राष्ट्रीय कानून- 'माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण

अधिनियम, 2007' मौजूद है, मगर बुजर्गों की देखभाल के मामले में जमीनी स्तर पर इसका प्रभावी असर नजर नहीं आता है. कई बार कानूनी प्रक्रिया इतनी जटिल और उलझाऊ हो जाती है कि बुजुर्ग अपने कदम पीछे खींच लेते हैं. ऐसे में तेलंगाना विधानसभा में पारित 'कर्मचारी जवाबदेही और माता-पिता सहायता निगरानी विधेयक- 2026' को कई मायनों में महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है.

इस विधेयक के अनुसार, राज्य के जनप्रतिनिधियों तथा सरकारी एवं निजी कर्मचारियों के लिए अपने बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल करना अनिवार्य है. इसका अनुपालन न करने पर उनके वेतन में पंद्रह फीसद या दस हजार रुपए, जो भी कम हो, माता-पिता को देय राशि के रूप में कटौती की जाएगी. इस विधेयक का मकसद कर्मचारियों में नैतिक मूल्यों का संचार करना और पारिवारिक जिम्मेदारियों को लेकर प्रतिबद्ध बनाने के साथ-साथ वरिष्ठ नागरिकों की वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करना है.

यह बात छिपी नहीं है कि बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल का मसला सड़क से लेकर संसद तक उठता रहा है, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर इसका कोई प्रभावी एवं कारगर समाधान नहीं निकल पाया है. हाल में राज्यसभा में यह मुद्दा उठाते हुए मांग की गई कि विदेश में रह रहे ऐसे भारतीय नागरिकों के पासपोर्ट रद्द कर देने चाहिए, जो देश में रह रहे अपने माता-पिता की देखभाल नहीं करते हैं. राष्ट्रीय स्तर पर भले ही अभी ऐसा कोई कदम नहीं उठाया गया है, लेकिन तेलंगाना सरकार ने जो पहल की है, वह दूसरों राज्यों के लिए भी प्रेरणादायक है. इस कानून के लागू होने के बाद राज्य के वरिष्ठ नागरिकों को कानूनी प्रक्रिया में उलझने की जरूरत नहीं पड़ेगी.

अगर बुजुर्ग माता-पिता सरकारी सेवा में कार्यरत अपनी संतान के खिलाफ शिकायत करते हैं और वह सही पाई जाती है, तो संबंधित कर्मी के वेतन से तय राशि काटकर माता-पिता को दे दी जाएगी. उम्मीद की जानी चाहिए कि दूसरे राज्यों में भी बुजुर्गों की देखभाल को लेकर कानूनी तौर पर इस तरह के कदम उठाए जाएंगे, ताकि उनकी वित्तीय और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके.

जनजाति, जो 55000 साल से रहती है आइलैंड पर

जरा हट के

इंसानी सभ्यता के विकास की दौड़ में जहां हम चांद और मंगल तक पहुंच गए हैं, तो दूसरी ओर दुनियाभर में कई ऐसी जनजातियां हैं, जिनके बारे में ही बहुत कम लोगों को पता है. अमेजन के घने जंगलों से लेकर अंडमान आइलैंड तक रहने वाले ये ट्राइब्स आज भी मुख्यधारा से कटे हुए हैं. आज हम आपको एक ऐसी ही भारतीय जनजाति के बारे में बताने जा रहे हैं, जो अंडमान निकोबार द्वीप समूह पर रहती है. इस ट्राइब का नाम जारवा (Jarawa Tribes) है. वैज्ञानिकों और इतिहासकारों का मानना है कि यह कबीला पिछले 55,000 सालों से इन जंगलों में रह रहा है. अफ्रीका से निकली मानव सभ्यता की यह सबसे पुरानी जीवित कड़ियों में से एक है. साल 1990 के दशक तक इस जनजाति का बाहरी दुनिया से कोई संपर्क नहीं था और वे पूरी तरह से

प्रकृति की गोद में अपनी शर्तों पर जी रहे थे. लेकिन जैसे-जैसे आधुनिक दुनिया इनके करीब पहुंची, इनके अस्तित्व पर संकट के बादल मंडराने लगे. इंटरनेट पर उपलब्ध रिपोर्ट्स के मुताबिक, जारवा ट्राइब्स से जुड़े लोग आज भी आदिम तरीके से अपनी लाइफ को जीते हैं. वे अपने खान-पान के लिए खेती नहीं करते, बल्कि पूरी तरह शिकार और जंगल से मिलने वाले फल-फूलों पर निर्भर हैं. धनुष-बाण इनके मुख्य हथियार हैं, जिनसे वे जंगली सुअर, कछुओं और मछलियों का शिकार करते हैं. उनके पास जंगल की जड़ी-बूटियों का इतना गहरा ज्ञान है कि आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी उसे देखकर हैरान रह जाता है. लेकिन विडंबना देखिए, जिस बाहरी दुनिया को हम सभ्य कहते हैं, उसी ने इन मासूम लोगों को एक तमाशा बना दिया. जारवा जनजाति के साथ होने वाली बदसलूकी का सबसे घिनौना चेहरा साल 2012 में तब सामने आया, जब एक ब्रिटिश अखबार ने ह्यूमन सफारी का भंडाफोड़ किया. एक वीडियो लीक हुआ, जिसमें दिखाया गया कि कैसे कुछ पुलिसकर्मी और गाइड जारवा महिलाओं को खाने के बदले नाचने पर मजबूर कर रहे थे.

लौकी की बर्फी

खाना-खजाना

सामग्री

- लौकी- 1 किलो (ताजी)
- चीनी- 200-250 ग्राम (स्वाद के अनुसार)
- मावा (खोया)- 250 ग्राम (ताजा कद्दूकस किया हुआ)
- घी- 3-4 बड़े चम्मच
- दूध- 1 कप (फुल क्रीम)
- इलायची पाउडर- 1 छोटा चम्मच
- ड्राई फ्रूट्स- कटे हुए बादाम, पिस्ता और काजू (सजावट के लिए)
- हरा फूड कलर- एक चुटकी (ऑप्शनल)

बनाने की विधि

सबसे पहले लौकी को अच्छी तरह धोकर छील लें. अब इसे कद्दूकस करें. ध्यान रहे कि लौकी का बीच वाला नरम हिस्सा इस्तेमाल न करें, केवल बाहरी सख्त हिस्सा ही घिसें. कद्दूकस की हुई लौकी को हाथों से दबाकर उसका पानी निकाल दें.

अब एक भारी तले की कड़ाही में 2 चम्मच घी गरम करें. इसमें कद्दूकस की हुई लौकी डालें और मध्यम आंच पर 5-7 मिनट तक भूनें जब तक कि इसका कच्चापन दूर न

हो जाए और नमी कम हो जाए.

इसके बाद इसमें एक कप दूध डालें और ढककर धीमी आंच पर तब तक पकाएं जब तक लौकी पूरी तरह नरम न हो जाए और दूध सूख न जाए. बीच-बीच में चलाते रहें ताकि लौकी तले में लगे नहीं.

जब दूध सूख जाए, तब इसमें चीनी डालें. चीनी डालते ही मिश्रण थोड़ा पतला हो जाएगा. इसे तब तक पकाएं जब तक पानी सूख न जाए. अब इसमें कद्दूकस किया हुआ मावा और बचा हुआ घी मिलाएं. मिश्रण को तब तक चलाएं जब तक वह कड़ाही के किनारे न छोड़ने लगे और एक गाढ़े पेस्ट की तरह जमने वाली कंसिस्टेंसी में न आ जाए. इसी समय इलायची पाउडर और फूड कलर मिलाएं.

अब एक प्लेट या ट्रे को घी लगाकर चिकना कर लें. तैयार मिश्रण को ट्रे में डालें और समान रूप से फैला दें. ऊपर से कटे हुए ड्राई फ्रूट्स डालकर चम्मच से हल्का दबा दें. इसे 3-4 घंटे के लिए सेट होने के लिए छोड़ दें. इसके बाद इसे चौकोर आकार में काट लें.

कहीं आप भी तो नहीं खा रहे मिलावटी घी?

FSSAI के बताए इस सिंपल टेस्ट से 5 मिनट में करें चेक

इन दिनों बाजार में मिलावटखोरी खुलेआम जारी है. दूध से लेकर आटे तक, आजकल लगभग खाने-पीने की हर चीज में मिलावट की जा रही है. इसी तरह मार्केट में मिलावटी घी भी धड़ल्ले से बेचा जा रहा है.

घी कई मायनों में हमारे लिए फायदेमंद होता है और इसलिए लोग हेल्दी रहने के लिए इसे अपनी डाइट में शामिल करते हैं. हालांकि, यह चिंता की बात है कि बाजार में मिलने वाले घी में अब वनस्पति या हाइड्रोजनीकृत फैट मिलाया जाता है, जो सेहत को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है.

ऐसे में लोगों को जागरूक करने के मकसद से फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स एक

ऐसा तरीका शेयर किया है, जिसकी मदद से आप 5 मिनट में असली और नकली घी की पहचान कर सकते हैं. आइए जानते हैं इसके बारे में-

कैसे करें असली और नकली घी की पहचान

आपको क्या चाहिए

- 1 मिलीलीटर पिघला हुआ घी
- 1 मिलीलीटर कंसन्ट्रेटेड हाइड्रोक्लोरिक एसिड (एचसीएल)
- आधा चम्मच चीनी
- एक टेस्ट ट्यूब या छोटा कांच का बर्तन.

टेस्ट करने का तरीका

- सबसे पहले एक टेस्ट ट्यूब में 1 मिलीलीटर पिघला हुआ घी लें.
- फिर उसमें 1 मिलीलीटर कंसन्ट्रेटेड हाइड्रोक्लोरिक एसिड मिलाएं.
- इसके बाद आधा चम्मच चीनी मिलाएं.
- मिश्रण को लगभग 2 मिनट तक जोर से हिलाएं. मिश्रण को जमने दें और परतों में अलग होने दें.
- शुद्ध और मिलावटी घी की पहचान
- शुद्ध (बिना मिलावट वाला) घीः रंग में कोई बदलाव नहीं दिखेगा.
- मिलावटी घी (वनस्पति या हाइड्रोजनीकृत फैट वाला): एसिडिक लेयर गहरे लाल या गुलाबी रंग की हो जाती है. रंग यब बदलाव मिलावट का साफ संकेत है.

कैसे काम करता है ये टेस्ट

यह कोई जादू नहीं, बल्कि एक बहुत सिंपल की साइंस है, जिसकी मदद से इस आप घी की पहचान कर सकते हैं. इसके पीछे काफी दिलचस्प और बेसिक केमिकल साइंस है- हाइड्रोक्लोरिक एसिड शुगर यानी चीनी को ग्लूकोज और फ्रक्टोज में तोड़ता है. ये शुगर, डिहाइड्रेट होने पर, फरफ्यूरल नाम का कंपाउंड बनाती हैं.

फरफ्यूरल वनस्पति या तिल के तेल में मौजूद कुछ पदार्थों के साथ रिएक्ट करते हैं. यह रिएक्शन लाल या गुलाबी रंग उत्पन्न करता है, जो मिलावट का संकेत है.

शुद्ध घी में ये कंपाउंड मौजूद नहीं होते हैं, इसलिए रंग में कोई परिवर्तन नहीं होता है.

घी खरीदने समय रखें इन बातों का ध्यान

घर पर टेस्ट के साथ-साथ, घी खरीदते समय आप कुछ सावधानियां भी बरत सकते हैं. इसके लिए घी हमेशा विश्वसनीय और प्रमाणित ब्रांड्स से खरीदें. क्वालिटी सिंबल और सही लेबलिंग की जांच करें. असामान्य रूप से कम कीमत वाले प्रोडक्ट्स से बचें. घी की नेचुरल सुगंध और दानेदार बनावट देखें.

आज का राशिफल

मेष : रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. निवेश के सुखद परिणाम आएंगे. किस्मत मेहरबान रहेगी. अप्रत्याशित लाभ हो सकता है. किसी बड़ी बाधा के दूर होने से प्रसन्नता रहेगी. भाग्य का साथ मिलेगा. पुराना रोग उभर सकता है. विवाद से क्लेश संभव है.

वृषभ : अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे. कर्ज लेना पड़ सकता है. वाणी पर नियंत्रण रखें. दूसरों से अपेक्षा पूर्ण नहीं होने से खिन्नता रहेगी. कार्य में विलंब होगा. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा. पारिवारिक चिंता बनी रहेगी. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. व्यवसाय ठीक चलेगा. आय बनी रहेगी.

मिथुन : पुराने शत्रु परेशान कर सकते हैं. थकान व कमजोरी रह सकती है. जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. भाग्य का साथ रहेगा. व्यापार में वृद्धि के योग हैं. निवेश शुभ रहेगा. आय होगी.

कर्क : नई योजना बनेगी. कार्यप्रणाली में सुधार होगा. कारोबार में वृद्धि होगी. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. नए व्यापारिक अनुबंध होंगे. धनार्जन होगा. लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी. सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. स्वास्थ्य का ध्यान रखें.

सिंह : कुसंगति से हानि होगी. पूजा-पाठ में मन लगेगा. कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा. आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे. कारोबार अच्छा चलेगा. नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्नता रहेंगे. भाइयों का सहयोग मिलेगा.

कन्या : वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में सावधानी रखें, विशेषकर स्त्रियां रसोई में ध्यान रखें. वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें. किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे. आय में निश्चितता होगी. ऐश्वर्य पर व्यय होगा.

तुला : शत्रु परास्त होंगे. कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. सुख के साधन जुटेंगे. कारोबार में वृद्धि होगी. निवेशादि शुभ रहेंगे. नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे. स्त्री पक्ष से लाभ होगा. अज्ञात भय रहेगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. सहयोग मिलेगा.

वृश्चिक : लेन-देन में जल्दबाजी न करें. किसी अपरिचित पर अतिविश्वास न करें. आय में वृद्धि होगी. भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी. कोई बड़ा लाभ हो सकता है. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. भाग्य बेहद अनुकूल है, लाभ लें. चोट व रोग से बचें. प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी.

धनु : किसी गलती का खामियाजा भुगतना पड़ सकता है. जल्दबाजी व लापरवाही न करें. अज्ञात भय सताएगा. पुराना रोग उभर सकता है. भागदौड़ रहेगी. विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा. किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा. स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा.

मकर : पुराना रोग उभर सकता है. किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है. लेन-देन में विशेष सावधानी रखें. वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें. दुःखद समाचार मिल सकता है. किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है. व्यर्थ भागदौड़ होगी. कार्य में विलंब होगा. चिंता तथा तनाव रहेंगे.

कुंभ : प्रयास सफल रहेंगे. सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. पराक्रम बढ़ेगा. किस्मत मेहरबान रहेगी. आय में वृद्धि होगी. पराक्रम बढ़ेगा. किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा. कारोबार में वृद्धि होगी. नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी. शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा. चोट व रोग से बचें.

मीन : शुभ समाचार प्राप्त होंगे. घर में मेहमानों का आगमन होगा. आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. विवेक से कार्य करें. विरोधी सक्रिय रहेंगे. मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. नौकरी में चैन रहेगा. आय में वृद्धि होगी. मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा.

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

मच्छर भगाने वाली क्रीम करते हैं इस्तेमाल?

डॉक्टर की ये बातें जरूर जान लीजिए

वरना मुसीबत में फंस जाएंगे

गर्मियों की शुरुआत हो चुकी है और मच्छरों का आतंक भी बढ़ गया है. मच्छर न सिर्फ रातों की नींद हराम करते हैं, बल्कि डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी गंभीर बीमारियां भी फैलाते हैं. रात में मच्छरों से बचने के लिए कई लोग मच्छर भगाने वाली क्रीम इस्तेमाल करते हैं. यह क्रीम सस्ती होती है और इसे लगाने के बाद कुछ घंटों तक मच्छर परेशान नहीं करते हैं. अधिकतर लोग मच्छरों से बचने के लिए इन क्रीम्स को स्किन पर लगा लेते हैं. स्किन स्पेशलिस्ट की मानें तो मॉस्किटो रिपेलेंट क्रीम्स हर किसी के लिए सुरक्षित नहीं हैं. इनमें डाइइथाइलटोलूअमाइड जैसे केमिकल्स होते हैं, जो मच्छरों को दूर रखते हैं, लेकिन स्किन पर गंभीर साइड इफेक्ट पैदा कर सकते हैं.

यूपी के कानपुर स्थित जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के डर्मेटोलॉजिस्ट डॉ. युगल राजपूत ने बताया कि मच्छर भगाने वाली क्रीम स्किन पर एक प्रोटेक्टिव लेयर बना देती हैं, जिसकी वजह से मच्छर दूर भाग जाते हैं. ये क्रीम ज्यादातर लोगों के लिए नुकसानदायक नहीं होती हैं, लेकिन 2 साल से छोटे बच्चे, बुजुर्ग और

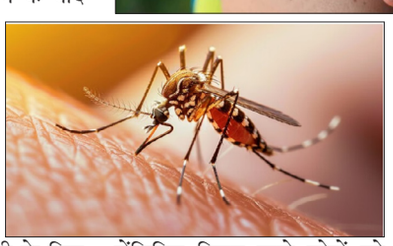

सेंसिटिव स्किन वाले लोगों को कुछ साइड इफेक्ट देखने को मिल सकते हैं. ऐसे लोगों को मॉस्किटो भगाने वाली क्रीम्स नहीं लगानी चाहिए. दरअसल बच्चों की स्किन बहुत पतली और नाजुक होती है, जिससे क्रीम में मौजूद केमिकल्स सीधे ब्लड स्ट्रीम में प्रवेश कर सकते हैं. बच्चों में इन केमिकल्स के कारण स्किन पर चकत्ते, सांस लेने में तकलीफ या एलर्जी हो सकती है. ऐसे में मच्छरदानी का उपयोग करना सबसे सुरक्षित विकल्प है.

डॉक्टर ने बताया कि स्किन डिजीज के मरीजों को मच्छर भगाने वाली क्रीम नहीं लगानी चाहिए. जिन लोगों को पहले से ही स्किन की बीमारियां जैसे एक्जिमा, सोरायसिस या डर्मेटाइटिस है, उन्हें मच्छर भगाने वाली क्रीम बिल्कुल नहीं लगानी चाहिए. इन कंडीशंस में त्वचा की प्राकृतिक सुरक्षा परत कमजोर होती है. ऐसे में क्रीम में मौजूद केमिकल्स या अन्य सिंथेटिक परफ्यूम त्वचा में जलन, खुजली और घाव पैदा कर सकते हैं. मच्छर भगाने वाली क्रीम्स में अक्सर तेज गंध और ऐसे कंपाउंड होते हैं, जो हवा में घुलकर श्वसन तंत्र को प्रभावित कर सकते हैं. जिन लोगों को अस्थमा या किसी भी तरह की सांस की एलर्जी है, उन्हें इन क्रीम का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए. इससे छींक आना, गले में खराश या सांस फूलने जैसी समस्या हो सकती है.

शुगर, हार्ट और इम्युनिटी के लिए असरदार है जामुन के बीज

आज के समय में गलत खानपान और दिनचर्या के नियमित न होने की वजह से लोगों को स्वास्थ्य संबंधी कोई दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. पहले के समय में शुगर की बीमारी लोगों को 40-45 साल के बाद आती थी, लेकिन आज यह 30 साल तक के युवाओं को भी अपने चपेट में ले रही है. ऐसे में आज हम आपको बताने वाले हैं शुगर की बीमारी से निपटने के बारे में कि जामुन के बीज का क्या रोल होता है और इसको किस तरह से खाया जाए, ताकि यह हमारे शुगर को नियंत्रित करने में अहम भूमिका निभाए और इससे हमारी दिनचर्या भी प्रभावित न होने पाए.

हार्ट के लिए है फायदेमंद

जामुन में हाई लेवल पोटेशियम होता है, जो मनुष्य के हृदय के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है. यह हार्ट बीट को भी नियंत्रित करने में हमारी मदद करता है. इसके साथ ही जामुन हार्ट को स्वस्थ रखने, स्ट्रोक और हार्ट अटैक की संभावना को कम करने में भी मदद करता है. यह ब्लड प्रेशर को कंट्रोल रखने में भी काफी असरदार माना जाता है.

जिला अस्पताल सुल्तानपुर में कार्यरत आयुर्वेद डॉक्टर संतोष श्रीवास्तव ने बताया कि जामुन में भरपूर मात्रा में कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, सोडियम, फॉस्फोरस, विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट जैसे जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं. कई ऐसे वैज्ञानिक शोध भी मिले हैं, जिसमें यह पाया गया है कि यह हमारे शरीर को कई बीमारियों से बचाने में मदद कर सकता है.

इन बीमारियों में है फायदा

डॉ संतोष श्रीवास्तव ने बताया कि जामुन का बीज शुगर को कंट्रोल करने में काफी फायदेमंद होता है इसके साथ ही साथ या शरीर की इम्युनिटी सिस्टम को भी मजबूत करने में अहम भूमिका निभाता है. जामुन के बीज को कुछ दिनों तक रख लेना चाहिए, उसके बाद उसका पाउडर बनाकर सुबह-शाम गुनगुने पानी से खाने पर शुगर काफी कंट्रोल रहता है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

घर में मिले परिवार के चार सदस्यों के शव

मुजफ्फरनगर. उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में दिल दहला देने वाली घटना हुई है. यहां एक ही परिवार के चार सदस्यों के शव घर के अंदर मिले हैं. शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र स्थित सरवट मदनिया कॉलोनी में हुई घटना से सनसनी फैली हुई है. माना जा रहा है कि चारों ने एक साथ आत्महत्या की है. मरने वालों में पति-पत्नी और उनके दो मासूम बच्चे शामिल हैं. फिलहाल यह नहीं पता चल सका कि आत्महत्या क्यों की गई है. पुलिस तहकीकात में जुटी है. मिली जानकारी के अनुसार, घटना का पता तब चला जब मंगलवार सुबह काफी देर तक घर का दरवाजा नहीं खुला. पड़ोसियों ने अनहोनी की आशंका जताते हुए पुलिस को सूचना दी. मौके पर पहुंची सिविल लाइन थाना पुलिस ने जब दरवाजा तोड़ा तो अंदर का नजारा देख अधिकारियों के भी होश उड़ गए. कमरे के भीतर पति, पत्नी और उनके दो बच्चों के शव पड़े हुए थे. शुरुआती जांच में यह मामला जहरीला पदार्थ खाकर या गला घोंटकर की गई सामूहिक आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है.

पुलिस कस्टडी में लंगड़ाता दिखा मौलाना

बहराइच. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनकी मां के विरुद्ध आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले मौलाना को कानून के लंबे हाथों ने दबोच लिया है. उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (STF) ने एक बड़े ऑपरेशन के तहत आरोपी मौलाना अब्दुल सलीम को बिहार से गिरफ्तार कर बहराइच की अदालत में पेश किया. जहां से मौलाना को जेल भेज दिया गया है. इस दौरान पुलिस कस्टडी में मौलाना लंगड़ाता हुआ नजर आया. दरअसल, बिहार के रहने वाले मौलाना अब्दुल सलीम ने सीएम योगी और उनकी मां को लेकर अभद्र टिप्पणियां की थीं. जैसे ही उसका यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, हिंदू संगठनों और आम जनता में भारी आक्रोश फैल गया. उत्तर प्रदेश के बहराइच सहित कई अन्य जिलों में मौलाना के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को आहत करने और आईटी एक्ट की धाराओं में मुकदमे दर्ज किए गए थे.

देवर के प्यार में पति का गला रेता

अमरोहा. यूपी के अमरोहा से एक दिल दहला देने वाला मामले का खुलासा हुआ है. जहां एक महिला ने देवर के प्यार में पति की हत्या कर दी. फिर शव के पास रातभर बच्चों को लेकर सोती रही. पुलिस ने पत्नी और उसके आशिक को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया. पुलिस के मुताबिक 28 साल के महराज दिल्ली में राजमिस्त्री का काम करता था. उसकी शादी करीब 6 साल पहले थाना सैदनगली क्षेत्र के गांव ढक्का की रहने वाली रूही से हुई थी. रूही का शादी से पहले से ही अपने रिश्ते के देवर से प्रेम प्रसंग चल रहा था. महराज जब भी घर आता, पत्नी के इस अवैध संबंध का विरोध करता था. महराज इस बार ईद पर घर आया था. जब वह बरामदे में सो रहा था, तब पत्नी रूही ने उसे खाने में नशीली दवा दे दी. महराज के बेसुध होते ही रूही ने अपने प्रेमी और उसके साथी को घर बुला लिया. तीनों ने मिलकर पहले महराज के हाथ-पैर बांधे और फिर छुरे से उसका गला रेत दिया. विरोध करने पर उसके पेट और शरीर पर भी कई वार किए गए.

मंदिर में भगदड़, 9 की मौत

- इनमें 8 महिलाएं

नालंदा. बिहार में नालंदा जिले में मंगलवार सुबह शीतला माता मंदिर में भगदड़ मच गई. हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई. 8 महिलाओं की भीड़ में दबने से मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि एक पुरुष ने अस्पताल में दम तोड़ा.

चैत्र महीने के आखिरी मंगलवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस मंदिर में पहुंचे थे. वहां मेला भी लगा था. मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि भीड़ को संभालने के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं थे.

दर्शन करने की जल्दी में धक्का-मुक्की मच गई. अफरातफरी के बीच कई लोग भीड़ में दब गए. बड़ी संख्या में लोग घायल भी हुए हैं. हादसे के बाद मंदिर और मेला को बंद करवा दिया है. आज नालंदा यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति शामिल हुईं. उनकी सुरक्षा में 8 जिलों के 2500 जवानों को लगाया गया था, जबकि मंदिर में जुटी 25 हजार की भीड़ के लिए एक भी पुलिस वाले की तैनाती नहीं थी.

हादसे के बाद पटना कमिश्नर को बिहार शरीफ भेजा गया है. सीएम ने मुख्य सचिव को जांच के निर्देश दिए हैं. दीपनगर थाने के SHO राजमणि को सस्पेंड कर दिया गया है. सरकार ने मृतकों के आश्रितों को 6 लाख रुपए मुआवजा देने की घोषणा की है. वही केंद्र सरकार ने 2 लाख के मुआवजे की घोषणा की है.

दर्शन की जल्दबाजी में मची भगदड़

- महिला भक्तों ने बताया कि चैत्र महीने का ये आखिरी मंगलवार है. यहां मेला लगा था. भीड़ ज्यादा हो गई. मंदिर का गर्भगृह भी छोटा है. लोग जल्दी-जल्दी दर्शन करने के लिए एक-दूसरे से आगे निकलने की कोशिश में थे. कोई लाइन में लगकर पूजा नहीं करना चाह रहा था.
- दूसरे श्रद्धालु ने बताया, 'सुरक्षा का कोई इंतजाम नहीं किया गया था. मंदिर के अंदर भारी भीड़ थी. पुलिस का जवान अंदर तैनात नहीं था. भीड़ को डायवर्ट करने या दो लाइनों में बांटने की कोई व्यवस्था नहीं थी. मंदिर के पुजारी ही जल्दी-जल्दी दर्शन कर निकलने को कह रहे थे. इस बीच एक महिला को चक्कर आ गया, जिससे वो वहीं गिर पड़ी. कुछ लोग उसे संभालने लगे, और भीड़ को पीछे करने की कोशिश की. इस दौरान भगदड़ मच गई.'

590 करोड़ के IDFC बैंक घोटाले की CBI जांच होगी

- हरियाणा सरकार का केंद्र को पत्र
- कई IAS अफसर रडार पर
- FD की रकम गबन की थी

चंडीगढ़. हरियाणा में तीन प्राइवेट बैंकों में 750 करोड़ रुपए को फ्रॉड सामने आने के बाद अब सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (CBI) से कराने की तैयारी है. हरियाणा सरकार ने इसके लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय को लेटर लिखा है. पहले चरण में IDFC फर्स्ट बैंक की जांच होगी. जिसमें 18 सरकारी विभागों के साथ 590 करोड़ रुपए का घोटाला हुआ. इनके अलावा एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक में भी फ्रॉड सामने आया है.

हालांकि, हरियाणा सरकार के खाते में पूरे 590 करोड़ रुपए वापस आ चुके हैं, लेकिन मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मामले में सख्त रुख अपनाया है. अभी तक मामले की जांच का एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) कर रही है. कई IAS अफसरों की भूमिका संदेह के घेरे में है.

ED कर चुकी 19 जगह छापेमारी

एसीबी इस मामले में बैंक कर्मियों सहित ज्वैलर्स और हरियाणा सरकार के दो वित्त अधिकारियों को गिरफ्तार कर चुकी है. पिछले दिनों इस घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की भी एंट्री हो चुकी है. ईडी की ओर से 19 ठिकानों पर छापामारी भी गई थी.

होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर लगेगा टोल

- संसदीय समिति की मंजूरी
- नेतन्याहू बोले- जंग कब खत्म होगी, नहीं बता सकता

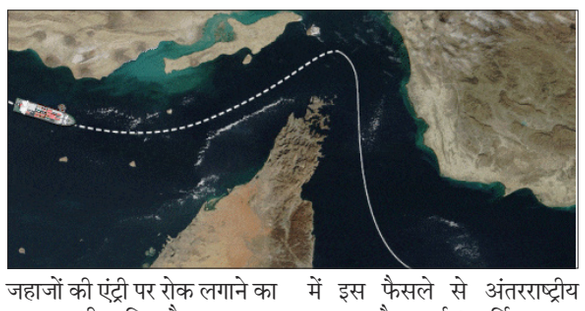

ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर टोल लगाने का फैसला किया. ईरानी संसद की नेशनल सिक्योरिटी कमेटी ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है.

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस प्लान के तहत जहाज ईरान को उसकी राष्ट्रीय मुद्रा रियाल में टोल देंगे. इसका अलावा प्लान में अमेरिका और इजराइल से जुड़े जहाजों की एंट्री पर रोक लगाने का प्रावधान भी शामिल है.

हालांकि, यह प्रस्ताव अभी कानून नहीं बना है और इसे लागू होने से पहले संसद, गार्जियन काउंसिल और राष्ट्रपति की मंजूरी लेनी होगी. होर्मुज स्ट्रेट वैश्विक तेल सप्लाई का अहम मार्ग है, ऐसे में इस फैसले से अंतरराष्ट्रीय बाजार और ऊर्जा आपूर्ति पर बड़ा असर पड़ सकता है.

इसी बीच इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि उन्हें नहीं पता ईरान के साथ चल रही जंग कब खत्म होगी. इसका समय तय नहीं किया जा सकता. न्यूजमैक्स को दिए इंटरव्यू में उन्होंने दावा किया कि युद्ध के आधे से ज्यादा टारगेट हासिल किए जा चुके हैं. उन्होंने यह भी कहा कि अंत में ईरान का मौजूदा शासन कमजोर हो जाएगा.

अमेरिका ने ईरान में हथियार डिपो पर एयरस्ट्राइक की

- अमेरिका ने ईरान के इस्फहान शहर में एक बड़े हथियार डिपो पर एयरस्ट्राइक की है. वॉल स्ट्रीट जर्नल रिपोर्ट के मुताबिक, यह हमला सोमवार रात को किया गया. इसके लिए 2000 पाउंड के बंकर-बस्टर बमों का इस्तेमाल हुआ.
- रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि इस डिपो में बड़ी मात्रा में हथियार और सैन्य सामग्री रखी गई थी, जिसे निशाना बनाया गया. बंकर-बस्टर बमों का इस्तेमाल मजबूत और भूमिगत ठिकानों को तबाह करने के लिए किया जाता है.
- हमले के बाद डिपो में रखे हथियारों में विस्फोट होने से कई धमाके हुए और इलाके में आग के बड़े गुबार उठे. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी सोशल मीडिया पर धमाकों का एक वीडियो शेयर किया है.

ट्रंप की वॉर्निंग पर भड़के ईरान ने तेल से भरे जहाज पर दाग दिया ड्रोन

तेहरान ने मंगलवार को दुबई के पास पूरी तरह से भरे तेल टैंकर शिप पर हमला किया और उसे जला दिया। दुबई के अधिकारियों ने कहाकि ड्रोन हमले के बाद कुवैत का झंडा लगे अल-सल्मी जहाज पर लगी आग को कंट्रोल कर लिया गया है। अच्छी बात यह है कि तेल का कोई रिसाव नहीं हुआ और चालक दल को कोई चोट नहीं आई। जहाज के मालिक कुवैत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन ने कहाकि हमले में जहाज क्षतिग्रस्त हो गई थी। 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर हमले के बाद होर्मुज स्ट्रेट में यह सबसे ताजा घटना है।

ममता बनर्जी ने चलना शुरू किया बांग्ला कार्ड

- अंडा-मछली के नाम पर क्यों डराने लगीं

कोलकाता. पश्चिम बंगाल में चुनाव में ममता बनर्जी ने बांग्ला कार्ड चलना शुरू कर दिया है. बीते विधानसभा चुनाव यानी 2021 में भी उन्होंने भाजपा के आक्रामक अभियान के जवाब में यही कार्ड चला था. वही टीएमसी और यहां तक कि राज्य की सबसे बड़ी नेता हैं. पीएम नरेंद्र मोदी, अमित शाह समेत भाजपा के तमाम दिग्गज नेता बंगाल चुनाव के प्रचार में उतरते रहे हैं, लेकिन बांग्ला कार्ड ममता बनर्जी की सबसे बड़ी ताकत है. वह अपनी सभी सभाओं में बांग्ला बोलती हैं और स्थानीय मुद्दे ही उठाती हैं. आम लोगों से उनका कनेक्ट जोरदार है और बांग्ला संस्कृति, भाषा जैसे संवेदनशील मुद्दे उठाकर वह बढ़त बनाती रही हैं.

ऐसा ही वह इस बार करती दिखने लगी हैं. उन्होंने एक रैली में

सवाल उठा दिया कि यदि भाजपा सत्ता में आई तो फिर आप लोग मछली और अंडा नहीं खा पाएंगे. भाजपा मांसाहार के खिलाफ है और वह आपके खानपान पर ही पाबंदियां लगाने लगेगी. उन्होंने पश्चिम उत्तर प्रदेश और एनसीआर के कुछ इलाकों में हुए वाकयों के नाम पर ऐसा बयान दिया है. बंगाल में मछली खाना परंपरा का हिस्सा है और मांसाहार को लेकर वहां ऐसी कोई मान्यता नहीं है, जैसी उत्तर भारत के यूपी, राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा जैसे राज्यों में दिखती हैं. ऐसे में बंगाल में उन्होंने भाजपा का नाम लेते हुए पाबंदियों की बात की तो साफ है कि वह बांग्ला कार्ड चलने की शुरुआत कर चुकी हैं.

ममता बनर्जी ने कहा, 'भाजपा शासित राज्यों में मछली नहीं खाई जाती. भाजपा यदि सत्ता में आई तो आप मीट, अंडा और मछली नहीं खा सकेंगे. भाजपा एकतरफा है और वह किसी धर्म में यकीन नहीं करती. ये लोग दंगा भड़काते हैं. दंगों के जरिए ही ये सत्ता में आते हैं. ये लोगों को मरवाकर सत्ता में आते हैं.'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साणंद में सेमीकंडक्टर प्लांट का उद्घाटन

- कहा- भारत को इस सेक्टर में ग्लोबल हब बनाने का कोरोना काल में संकल्प लिया

अहमदाबाद. पीएम मोदी ने गुजरात के साणंद में केयन्स सेमीकॉन के आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली टेस्ट का उद्घाटन किया. इसके बाद वे प्लांट देखने पहुंचे और इंजीनियर्स से बातचीत की.

पीएम ने कहा- आज सुबह डिवाइन वाले कार्यक्रम में था और अब डिजिटल के कार्यक्रम में हूं. उन्होंने कहा- हमने कोरोना के समय ही तय कर लिया था कि भारत सेमीकंडक्टर सेक्टर का नया हब बनेगा. पीएम के उद्घाटन के साथ ही केयन्स सेमीकंडक्टर प्लांट में प्रोफेशनल प्रोडक्शन शुरू हो जाएगा. पहला प्लांट भी फरवरी 2026 में साणंद में ही शुरू हुआ था. पीएम वाव-थराड में 20 हजार करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे.

इससे पहले उन्होंने सुबह करीब 10 बजे गांधीनगर में सम्राट सम्प्रति म्यूजियम का उद्घाटन किया. पीएम ने म्यूजियम का दौरा करने के बाद राष्ट्रीय संत पूज्य आचार्य पद्मसागर सूरीश्वरजी का आशीर्वाद लिया.

चिप्स को कैलिफोर्निया भेजा जाएगा

- इस प्लांट में एडवांस्ड इंटेलिजेंट पावर मॉड्यूल (IPMs) बनाए जाएंगे, जिसका इस्तेमाल ऑटोमोबाइल और इंडस्ट्रियल डिवाइस में किया जाता है.
- हर मॉड्यूल में 17 चिप्स होंगे और इन्हें कैलिफोर्निया की कंपनी अल्फा और ओमेगा सेमीकंडक्टर को सप्लाई किया जाएगा.
- प्लांट के सभी फेज पूरे होने के बाद इसकी प्रोडक्शन कैपेसिटी प्रतिदिन 6.33 मिलियन यूनिट बनाने की होगी.
- यह माइक्रोन टेक्नोलॉजी के बाद देश की दूसरी सेमीकंडक्टर यूनिट होगी, जो प्रोडक्शन शुरू करेगी.

बिल्डिंग में आग, 5 की मौत

सूरत. गुजरात के सूरत में एक मकान में मंगलवार दोपहर को आग लगने से 5 लोगों की मौत हो गई. मरने वालों में 4 महिलाएं और एक बच्चा शामिल है. सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया.

पड़ोसियों से मिली जानकारी के मुताबिक, शहर के लिंबायत इलाके का यह मकान एक व्यापारी का है, जिसमें करीब 8 टन साड़ियों का स्टॉक रखा हुआ था. इससे घर में पैदल चलने तक की जगह नहीं बची थी. इसी के चलते आग इतनी तेजी से भड़की कि किसी को बचने का मौका नहीं मिला.

मृतकों के नाम- शाहनाज बेगम अंसारी (उम्र 65 वर्ष), हुसा बेगम अंसारी (उम्र 18 वर्ष), शबीन अंसारी (उम्र 28), परवीन अंसारी (उम्र 19), शुभान अंसारी (उम्र 4).

इंजीनियर कपल ने किया सुसाइड

बेंगलुरु. बेंगलुरु के कोथनूर इलाके के अपार्टमेंट में एक इंजीनियर कपल के सुसाइड का मामला सामने आया है. पहले पति का शव फ्लैट के बंद कमरे में मिला. कई बार दरवाजा खटखटाने के बावजूद कोई जवाब नहीं मिला तो पत्नी ने सिक्योरिटी और पड़ोसियों को बुलाया.

दरवाजा तोड़ने पर पति का शव

फंदे से लटका मिला. इसके कुछ ही मिनट बाद पत्नी फ्लैट से बाहर निकलीं और उसी अपार्टमेंट की 17वीं मंजिल से कूदकर जान दे दी. मृतकों की पहचान तेलंगाना के सिद्दीपेट निवासी भानु चंदर रेड्डी कुंटा (32) और उनकी पत्नी शाजिया (31) के रूप में हुई है.

भानु चंदर सॉफ्टवेयर इंजीनियर थे. शाजिया IBM में काम करती थीं. रेड्डी ने एक सुसाइड नोट भी छोड़ा है, जिसमें उन्होंने अपनी स्वास्थ्य स्थिति के बारे में बताया. साथ ही लिखा कि उनकी मौत के लिए किसी को जिम्मेदार न ठहराया जाए.

वैभव की राजस्थान के लिए दूसरी सबसे तेज फिफ्टी

- ओवरटन ने धोनी का रिकॉर्ड तोड़ा
- रॉयल्स की सबसे बड़ी जीत

15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने राजस्थान रॉयल्स के लिए दूसरी सबसे तेज फिफ्टी का रिकॉर्ड बनाया. वैभव की इस पारी की बदौलत राजस्थान ने मंगलवार को गुवाहाटी में चेन्नई सुपर किंग्स को 8 विकेट से हराया. सोमवार को चेन्नई 19.4 ओवर में 127 रन पर ऑलआउट हो गई. इसके जवाब में राजस्थान ने 12.1 ओवर में 2 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया. यह राजस्थान रॉयल्स की सबसे बड़ी जीत रही.

राजस्थान ने 47 गेंद रहते अपने IPL इतिहास का सबसे बड़ा रनचेज किया. इससे पहले 2014 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 42 गेंद बाकी रहते जीत हासिल की थी.

मुंबई इंडियंस ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ सबसे ज्यादा 21 मैच जीते हैं. इसके बाद पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स 16-16 जीत के साथ दूसरे नंबर पर हैं.

2020 के बाद से राजस्थान ने चेन्नई के खिलाफ पिछले 11 मुकाबलों में से 9 में जीत हासिल की है.

वैभव सूर्यवंशी ने 15 गेंदों में अर्धशतक जड़ा. यह राजस्थान के लिए दूसरी सबसे तेज फिफ्टी है. टॉप पर यशस्वी जायसवाल हैं, जिन्होंने 2023 में कोलकाता के खिलाफ सिर्फ 13 गेंदों में अर्धशतक लगाया था.

जैमी ओवरटन ने 43 रन की पारी खेलकर CSK के लिए नंबर-8 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए सबसे बड़ा स्कोर बना दिया. इससे पहले यह रिकॉर्ड एम एस धोनी के नाम था, जिन्होंने 2024 में विशाखापट्टनम में दिल्ली के खिलाफ नाबाद 37 रन बनाए थे.

अंशुल कम्बोज और जैमी ओवर्टन ने 10वें विकेट के लिए 33 रन जोड़े. यह CSK की ओर से आखिरी विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी है. इससे पहले यह रिकॉर्ड 26 रन का था, जो एम एस धोनी और मोहित शर्मा के नाम 2013 में दर्ज हुआ था.

ओवरऑल IPL में 10वें विकेट के लिए यह तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी रही. पहले पायदान पर शिखर धवन और मोहित राठी हैं. दोनों ने मिलकर पंजाब के लिए खेलते हुए हैदराबाद के खिलाफ नाबाद 55 रन जोड़े थे.

अपग्रेड हो रहा शी-बॉक्स पोर्टल

- 17000 थाने कनेक्ट होंगे
- कोई ताने मारे, छेड़खानी करे तो पोर्टल में शिकायत दें
- नजदीकी थाने से तुरंत मदद पहुंचेगी

नई दिल्ली. महिलाओं को उत्पीड़न के माहौल से बचाने के लिए केंद्र सरकार तकनीकी निगरानी तंत्र को देश के सभी 17 हजार पुलिस थानों से जोड़ने जा रही है. इसके लिए शी-बॉक्स पोर्टल को अपग्रेड किया जा रहा है.

अभी पोर्टल के जरिए सरकारी और निजी क्षेत्र के दफ्तर जुड़े हैं, जहां काम करने वाली महिलाएं किसी भी तरह के लैंगिक उत्पीड़न की शिकायत बिना अपनी पहचान बताए पोर्टल पर दर्ज कर सकती हैं.

पोर्टल महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के तहत काम करता है. मंत्रालय के एक अधिकारी ने भास्कर को बताया कि पोर्टल पर अब घर से ऑफिस तक आने-जाने वाले रास्ते पर होने वाले शोषण, उत्पीड़न और ताने मारने की भी शिकायत दर्ज हो सकेगी.

इसमें बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, बस, ट्रेन, मार्केट आदि भी शामिल रहेंगे. इसके लिए पोर्टल को तकनीकी रूप से अपग्रेड किया जा रहा है. अगले एक-दो महीनों में अपग्रेडेशन पूरा हो जाएगा और महिलाओं को सुविधा मिलने लगेगी.

अभी ऐसे काम करता है शी-बॉक्स

अभी शी-बॉक्स पोर्टल पर शिकायत दर्ज करने के बाद इसकी जांच संबंधित कंपनी की समिति को POSH एक्ट 2013 के नियमों के तहत करनी होती है. इसमें पीड़िता और आरोपी दोनों पक्षों की सुनवाई होती है. कानूनन इस पूरी जांच प्रक्रिया को 90 दिनों के भीतर पूरा करना अनिवार्य है, जिसके बाद अगले 60 दिनों में उचित कार्रवाई किया जाना निर्धारित है.

एप भी तैयार हो रहा, ताकि शिकायत में आसानी हो

कार्यस्थलों पर लैंगिक उत्पीड़न रोकने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर 2024 में शी-बॉक्स पोर्टल शुरू हुआ था. इसका मकसद ऐसी शिकायतों का रजिस्ट्रेशन और निगरानी करना है. शिकायत के समाधान के लिए क्या उपाय किए गए, इसका विवरण भी पोर्टल पर संबंधित जांच अधिकारी को दर्ज करना पड़ता है. शी-बॉक्स पोर्टल का एप वर्जन भी तैयार हो रहा है, ताकि, महिलाओं को शिकायत दर्ज करने में और आसानी रहे.

5 बच्चों की मां प्रेमी संग फरार, मारा-मारा फिर रहा पति

गोंडा. उत्तर प्रदेश के गोंडा जिल में थाना क्षेत्र के एक गांव में मायके आई 40 साल की महिला अपने 27 साल के प्रेमी के साथ फरार हो गई। वह पांच बच्चों की मां है। मायके में महिला अपने दो साल के मासूम को छोड़कर चली गई हैं। दो साल का मासूम का अपनी मम्मी के लिए रो रहा है। मासूम अपने पिता से सवाल कर रहा है कि मम्मी कहां गई ? महिला का पति मारा-मारा फिर रहा है। पत्नी के लापता होने के बाद पति ने मोतीगंज थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। मोतीगंज पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।महिला को खोजने के लिए कई टीमें लगाई गई हैं।

मौत को मात दे मुस्कुराते दिखे सलीम वास्तिक

नई दिल्ली. सलीम वास्तिक 26 दिन अस्पताल में रहने के बाद घर लौट आए हैं. 27 फरवरी को कट्टरपंथ सोच वाले जीशान और गुलफाम नामक भाइयों ने उन पर जानलेवा हमला किया था. गले पर गंभीर चोट के कारण वह फिलहाल बोल नहीं पा रहे हैं लेकिन इशारों और लिखकर संवाद कर रहे हैं. उन्होंने साफ कर दिया है कि वह हमले से डरे नहीं हैं वरन उनमें कट्टरपंथ के खिलाफ लड़ने की हिम्मत बढ़ी है. वह मानवता के लिए कट्टरवाद के खिलाफ लड़ाई जारी रखेंगे. हालांकि पुलिस ने उनकी सुरक्षा के लिए दो गार्ड तैनात किए हैं.

- सुरक्षा में 2 हथियारबंद गार्ड तैनात

अस्पताल में एक महीना बिताने के बाद जब सलीम वास्तिक लोनी स्थित अपने घर लौटे तो पुलिस ने उन्हें सुरक्षा मुहैया कराई. उनकी सुरक्षा के लिए दो हथियारबंद गार्ड तैनात किए गए हैं. गौरतलब है कि 27 फरवरी को लोनी में उनके दफ्तर के अंदर जीशान और गुलफाम नाम के दो भाइयों ने उन पर चाकू से 10 से ज्यादा बार हमला किया था. उन्होंने वास्तिक के पेट और गले पर वार किए थे. बाद में ये दोनों भाई पुलिस के साथ हुई अलग-अलग मुठभेड़ों में मारे गए.

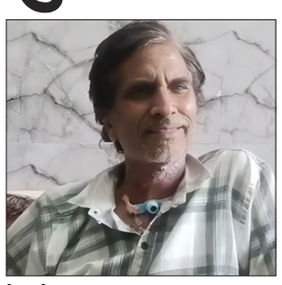

- सलीम ने बताया- एक महीने में हो जाएंगे पूरी तरह ठीक

एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद सलीम वास्तिक के परिवार ने पुलिस सुरक्षा मांगी थी. आवेदन की जांच करने के बाद उनकी सुरक्षा के लिए पुलिस लाइन से दो गनर तैनात कर दिए गए हैं. परिवार के एक सदस्य ने बताया कि हमले में वास्तिक की गर्दन पर चाकू से गहरा घाव हुआ था. हाल ही में उनकी एक सर्जरी हुई है जिस वजह से वह अभी बोल नहीं पा रहे हैं. हालांकि सलीम वास्तिक ने इशारों में बताया है कि वह ठीक हैं. उन्हें पूरी तरह स्वस्थ होने में करीब एक महीने का समय लगेगा.

- गले में नली लगी होने के कारण नहीं पा रहे सलीम

हमले के बाद शूट किए गए पहले वीडियो में सलीम वास्तिक एक शख्स से संकेतों में बातें करते नजर आ रहे हैं. शख्स पूछता है कि सलीम भाई अब कैसी है तबीयत? खाने पीने में कोई परेशानी तो नहीं हो रही है. सलीम इशारों में कहते हैं कि थोड़ी परेशानी है. शख्स सवाल करता है कि डॉक्टर कब तक पूरी तरह ठीक होने के बारे में बता रहे हैं. इस पर सलीम कहते हैं कि एक महीना सलीम ने बताया कि गले में एक कृत्रिम नली लगी है. इस वजह से वह बोल नहीं पा रहे हैं लेकिन नली के निकलने के बाद वह सामान्य बातचीत करने लगेंगे. एक महीने में यह नली निकाल ली जाएगी.

उल्हास विकास
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संक्षेप...

होटल में लगी आग, कोई हताहत नहीं

ठाणे. लेक-शॉवर मॉल की बिल्डिंग के दूसरे फ्लोर पर होटल इंडियाना वाटर्स-इंडियाना वाटर्स फर्नांडीज के किचन रूम की चिमनी में आग लग गई।

2-मंज़िला बिल्डिंग लेक-शॉवर मॉल के सिक्योरिटी ऑफिसर और कर्मचारी, आपदा प्रबंधन के कर्मचारियों के साथ 1-पिकअप गाड़ी मौके पर मौजूद थी। घटना स्थल पर कोई घायल नहीं हुआ। घटनास्थल पर लगी आग को लेक-शॉवर मॉल के सिक्योरिटी स्टाफ की मदद से पूरी तरह बुझा दिया गया है और स्थिति कंट्रोल में है।

मंत्री नरहरि झिरवाल के वीडियो पर विवाद

- मुंबई में FIR दर्ज,
- ब्लैकमेलिंग का आरोप

मुंबई. महाराष्ट्र की राजनीति में उस वक्त हलचल मच गई, जब राज्य के मंत्री नरहरि झिरवाल का एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगा. इस वीडियो को लेकर कई तरह के दावे किए जा रहे हैं, जिससे राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया. वीडियो सामने आने के बाद विपक्ष और सत्तापक्ष दोनों ही इस मुद्दे पर सक्रिय हो गए हैं.

हालांकि, अभी तक इस वीडियो की सत्यता को लेकर आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. मामला सामने आते ही इसे लेकर गंभीर आरोप-प्रत्यारोप भी शुरू हो गए. इसी बीच पुलिस ने भी इस पूरे मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है.

इस मामले में मुंबई के कफ परेड पुलिस स्टेशन में FIR दर्ज की गई है. यह शिकायत एक ट्रांसजेंडर की ओर से दर्ज कराई गई है, जिसमें कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं. पुलिस के अनुसार, शिकायत में बताया गया है कि वीडियो को लेकर दबाव बनाने और धमकी देने की कोशिश की गई थी. इस पूरे घटनाक्रम ने मामला और संवेदनशील बना दिया है. पुलिस ने शिकायत मिलते ही प्राथमिक जांच शुरू कर दी और संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया.

FIR में आरोप लगाया गया है कि ट्रांसजेंडर के भाई ने फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (FDA) में नौकरी दिलाने की मांग की थी. इसके साथ ही उसने कथित तौर पर वीडियो को वायरल करने की धमकी भी दी. शिकायत में यह भी कहा गया है कि वीडियो को एडिट या छेड़छाड़ करके सोशल मीडिया पर फैलाया गया. इन आरोपों के चलते मामला ब्लैकमेलिंग और साजिश के एंगल से भी देखा जा रहा है. पुलिस अब इन सभी पहलुओं की गहराई से जांच कर रही है.

कफ परेड पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 79 और 351(1) के साथ-साथ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट के तहत केस दर्ज किया है. इन धाराओं के अंतर्गत किसी की निजी जानकारी का दुरुपयोग करना, बदनाम करने के उद्देश्य से कंटेंट फैलाना और धमकी देना गंभीर अपराध माना जाता है. पुलिस का कहना है कि डिजिटल सबूतों की जांच की जा रही है और यह पता लगाने की कोशिश हो रही है कि वीडियो असली है या उसमें छेड़छाड़ की गई है. जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई तय की जाएगी.

फिलहाल, इस पूरे मामले की जांच जारी है और कफ परेड पुलिस हर एंगल को खंगाल रही है. वीडियो के वायरल होने से मंत्री की छवि पर असर पड़ा है, वहीं इस केस ने साइबर क्राइम और प्राइवेसी से जुड़े मुद्दों को भी एक बार फिर चर्चा में ला दिया है. आने वाले दिनों में जांच के नतीजे इस मामले की दिशा तय करेंगे.

आवारा कुत्तों को लेकर निवासी और एनिमल लवर्स के बीच झगड़ा

कल्याण. शहर की एलीट सोसायटी वाधवा मीडोज में आवारा कुत्तों को लेकर लोगों और एनिमल लवर्स के बीच झगड़ा बढ़ गया है, और इस मामले में दोनों पक्षों के खिलाफ केस दर्ज किए गए हैं. इस संबंध में खड़कपाड़ा पुलिस स्टेशन में अलग-अलग डबल केस दर्ज किए गए हैं और पुलिस आगे की जांच कर रही है. सोसाइटी इलाके में आवारा कुत्तों की बढ़ती समस्या के बारे में लोगों ने शिकायत की थी. दावा है कि इन कुत्तों ने अब तक बच्चों समेत करीब 80 लोगों को काटा है. इस मामले में लोगों ने कुत्तों को कंट्रोल करने के लिए दो एनिमल लवर्स की मदद ली थी.

हालांकि, लोगों ने आरोप लगाया कि संबंधित एनिमल लवर्स कुत्तों को दूसरी जगह ले जाने के लिए हर महीने 16,000 रुपये मांग रहे थे. इस शिकायत पर संज्ञान लेते हुए खड़कपाड़ा पुलिस ने हीरा राजपूत और रत्ना पुरोहित के खिलाफ रंगदारी मांगने का केस दर्ज किया है.

इस बीच, विवाद को और बढ़ाते हुए, एनिमल लवर्स ने आरोप लगाया है कि सोसाइटी में एक आवारा कुत्ते को पीट-पीटकर मार डाला गया. इन आरोपों के आधार पर, पुलिस ने एक अनजान रहने वाले के खिलाफ जानवरों पर क्रूरता का केस दर्ज किया है. इन दो अलग-अलग अपराधों से सोसाइटी में तनाव बढ़ गया है, और एनिमल लवर्स और रहने वालों के बीच विवाद और बढ़ने की संभावना है. पुलिस दोनों मामलों की जांच कर रही है और स्थिति पर नज़र रख रही है.

महावीर जयंती उत्सव में हजारों लोग शामिल

भिवंडी. विश्व को अहिंसा का संदेश देने वाले जैन धर्म के तीर्थंकर भगवान महावीर की जयंती भिवंडी शहर में भी बड़े उत्साह के साथ मनाई गई. उक्त मौके पर समस्त भिवंडी जैन महासंघ की तरफ से एक बड़ी शोभायात्रा निकाली गई.

शोभायात्रा में पूर्व शिक्षण सभापति प्रदीप (पप्पू) राका, पारस जैन, नगरसेविका ऋषिका राका, अशोक जैन, अनिल जैन, दिलीप जैन, विकास जैन, वंश प्रदीप राका सहित हजारों की संख्या में जैन धर्मावलंबी शामिल हुए.भक्ति से भरे माहौल में हजारों की संख्या में पुरुष, महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग इस शोभायात्रा में अनुशासित तरीके से शामिल हुए.

शोभायात्रा में सामाजिक सद्भाव, अहिंसा, पर्यावरण संरक्षण और शाकाहार के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए अलग-अलग दृश्य शामिल किए गए थे. छत्रपति शिवाजी महाराज चौक से शुरू हुई शोभायात्रा मंडई, गौरीपाड़ा, कनेरी, धामनकर नाका होते हुए अंजुर फाटा पर खत्म हुई.जगह-जगह पर कई गणमान्य लोगों ने इस शोभायात्रा का स्वागत किया. पुलिस सुरक्षा भी मौजूद थी. भिवंडी शहर में सभी मीट की दुकानें बंद... मंगलवार को जहां हर जगह महावीर जयंती धूमधाम से मनाई गई. सरकार के फैसले से मीट और मछली की दुकानें बंद रखी गई.भिवंडी शहर में महानगर पालिका प्रशासन ने इस बारे में आदेश जारी कर सभी मछली और मीट बीफ की दुकानों को बंद रखने का आदेश दिया था.

कचरा प्रबंधन को लेकर नगरसेवकों में नाराजगी

- भिवंडी मनपा में हुआ महासभा का आयोजन

भिवंडी. भिवंडी मनपा आयुक्त अनमोल सागर द्वारा महापौर नारायण चौधरी को प्रस्तुत किए गए 1179 करोड़ रुपये के बजट पर चर्चा करने के लिए 30 मार्च को एक विशेष महासभा आयोजित की गई. इस बैठक में कई पार्षदों ने संपत्ति कर वसूली और ठोस कचरा प्रबंधन को लेकर प्रशासन के प्रति अपना कड़ा विरोध जताया. पार्षदों ने मुद्दा उठाया कि संपत्ति कर की वसूली बहुत कम हो रही है. संपत्तियों के दोहरे पंजीकरण और कई संपत्तियों के रिकॉर्ड न मिलने के कारण बकाया राशि का आंकड़ा लगातार फूलता जा रहा है. पार्षद जावेद दलवी, फराज बाहुद्दीन, कमलाकर पाटिल और एड. वैभव भोईर ने मांग की कि अवैध संपत्तियों पर 5 गुना के बजाय 50 गुना जुर्माना लगाया जाना चाहिए. इससे अवैध निर्माणों पर रोक लगेगी और लोग उचित अनुमति लेकर निर्माण करेंगे. इसके लिए उन्होंने 'सिंगल विंडो सिस्टम' (एक खिड़की योजना) शुरू करने का सुझाव दिया. फराज बाहुद्दीन ने शिकायत की कि हाउस टैक्स के साथ सीवरेज और वाटर टैक्स का अधिभार बहुत अधिक वसूला जा रहा है. उपायुक्त बालकृष्ण क्षीरसागर ने बताया कि वसूली में पारदर्शिता लाने और विवादित संपत्तियों की पहचान करने के लिए जिआईएस सर्वे कराया जा रहा है, जिससे निगम की आय बढ़ेगी.

संतोष शेट्टी ने आरोप लगाया कि पोगांव इलाके के औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में निगम अधिकारियों की मिलीभगत से अवैध निर्माणों को 'झुग्गी नंबर' देकर बढ़ावा दिया जा रहा है. उन्होंने बिचौलियों द्वारा भारी आर्थिक लाभ कमाने का भी आरोप लगाया. इस पर आयुक्त ने तत्काल कड़ा रुख अपनाते हुए उपायुक्त विक्रम दराडे को बुधवार से ही संबंधित वार्ड समिति की अतिक्रमण विरोधी टीम के साथ तोड़फोड़ की कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए. शहर की सफाई के लिए करोड़ों रुपये खर्च करने के बावजूद गंदगी जस की तस रहने पर सदस्यों ने नाराजगी जताई. उपायुक्त विक्रम दराडे ने दावा किया कि 85% कचरा उठाया जा रहा है, जिसे पार्षदों ने सिरे से खारिज कर दिया. पार्षदों ने आरोप लगाया कि कई इलाकों में 'घंटागाड़ी' (कचरा गाड़ी) नहीं आती, फिर भी उन्हें भुगतान किया जा रहा है. आरोप लगा कि गाड़ियों का जीपीएस मोटरसाइकिल पर रखकर प्रशासन की आंखों में धूल झोंकी जा रही है.

महापौर का फैसला

महापौर ने घोषणा की कि अब से घंटागाडी ठेकेदारों का बिल तभी पास होगा जब स्थानीय पार्षद काम पूरा होने का सिफारिश पत्र देंगे. आयुक्त ने भी आश्वासन दिया कि लगातार अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों को बर्खास्त किया जाएगा.

मुंबई को मिली नई बीएमसी कमिश्नर

- अश्विनी भिड़े के हाथों में सौंपी गई कमान

मुंबई. मुंबई महानगरपालिका को नई कमिश्नर मिल गई हैं. महाराष्ट्र सरकार ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अश्विनी भिड़े को BMC की नई कमिश्नर नियुक्त किया है. प्रशासनिक अनुभव और सख्त कामकाज शैली के लिए पहचानी जाने वाली अश्विनी भिड़े को सरकार के भरोसेमंद और मजबूत चेहरों में से एक है. अश्विनी भिड़े मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की करीबी आईएएस अधिकारियों में शामिल रही हैं.

अश्विनी निभा चुकीं ये जिम्मेदारियां

इससे पहले वह मुख्यमंत्री कार्यालय में सचिव के पद पर भी अपनी सेवाएं दे चुकी हैं, जहां उन्होंने अहम प्रशासनिक जिम्मेदारियां संभाली थीं. मुंबई के महत्वाकांक्षी भूमिगत मेट्रो प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी संभालते हुए अश्विनी भिड़े ने बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी.

शहरी व्यवस्था की गहरी समझ

उनके नेतृत्व में परियोजनाओं की मॉनिटरिंग और क्रियान्वयन को लेकर उनकी कार्यशैली को काफी सख्त माना गया. इसके अलावा, BMC में एडिशनल कमिश्नर के रूप में भी उनका कार्यकाल रहा है, जिससे उन्हें नगर प्रशासन, शहरी व्यवस्था और स्थानीय निकायों की कार्यप्रणाली की गहरी समझ है. उनके इसी अनुभव को देखते हुए उन्हें मुंबई महानगरपालिका जैसे अहम संस्थान की कमान सौंपी गई है.

कोपरी में सड़क पर तेल फैलने से ट्रैफिक जाम

ठाणे. सोमवार सुबह कोपरी पूर्व इलाके के बारा बंगला में सड़क पर तेल फैल गया, जिससे कुछ देर के लिए ट्रैफिक रुक गया। अच्छी बात यह रही कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ।

एक जागरूक नागरिक दीपक म्हात्रे ने मनपा आपदा प्रबंधन सेल को बताया कि कोपरी बारा बंगला इलाके में बंगला नंबर 13 के पास सड़क पर बड़ी मात्रा में तेल फैल गया है।

सूचना मिलने पर ट्रैफिक पुलिस और आपदा प्रबंधन सेल के कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत सड़क पर फैले तेल पर मिट्टी डाली और सड़क को सुरक्षित कर दिया।आपदा प्रबंधन सेल ने बताया कि कुछ देर में ट्रैफिक नॉर्मल हो गया।

ईगल ब्रिगेड फाउंडेशन और ठाणे पुलिस ने मिलकर शुरू की पहल

ठाणे. पुलिस ने नागरिकों को पुलिस के साथ खुलकर बातचीत करने और सामाजिक मेलजोल बढ़ाने में मदद करने के लिए 'पुलिस मित्र' का कॉन्सेप्ट शुरू किया है. इस पहल की बढ़ती ज़रूरत को देखते हुए, ठाणे पुलिस आयुक्तालय और ईगल ब्रिगेड फाउंडेशन के साथ मिलकर इस पहल को नई तेज़ी दी गई है. यह कैंपेन 'आइए ठाणे पुलिस के 'दोस्त' बनें' टाइटल के तहत हाल ही में शुरू किया गया है और ठाणे पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे ने ज़्यादा से ज़्यादा नागरिकों से इसमें हिस्सा लेने की अपील की है.अभी, ठाणे पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत में 8,000 पुलिस मित्र हैं. ये सभी बहुत ही अनुशासित तरीके से पुलिस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रहे हैं और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में मदद करने, ट्रैफिक जाम को कंट्रोल करने, जागरूकता फैलाने जैसे सामाजिक काम कर रहे हैं. पिछले दो सालों में, हम लगभग 50 हज़ार नागरिकों तक पहुँच चुके हैं. पुलिस और नागरिकों के बीच एक कड़ी का काम करने वाले वॉलंटियर्स को पुलिस मित्र कहा जाता है, इसके लिए 'पुलिस मित्र' ऐप भी बनाया गया है और यह कॉन्सेप्ट पुलिस प्रशासन के साथ बातचीत करके क्राइम रोकने, लॉ एंड ऑर्डर बनाए रखने और ट्रैफिक कंट्रोल करने में पुलिस की मदद करने के लिए लागू किया जा रहा है.

गलियों में होने वाले संदिग्ध क्राइम के बारे में पुलिस को दें खबर

मकसद नागरिकों के मन से पुलिस का डर निकालना, साइबर क्राइम, महिलाओं और सीनियर सिटिज़न की सुरक्षा, पब्लिक जगहों पर सुरक्षा, समाज में शांति बनाए रखना, ट्रैफिक रेगुलेशन, रोड सेफ्टी कैंपेन के साथ-साथ किसी भी क्राइम या संदिग्ध मूवमेंट की जानकारी पुलिस को देना है. 'पुलिस मित्र' कॉन्सेप्ट का मुख्य मकसद पुलिस और आम जनता के बीच भरोसा बनाना है. इस साल करीब 1 लाख नागरिकों तक पहुंचने का मकसद है और इस लोगों से जुड़ी पहल में हिस्सा लेने के लिए, ईगल ब्रिगेड फाउंडेशन के फाउंडर विश्वनाथ बिवलकर (09819487067) से संपर्क करें.

सलमान खान की नई फिल्म का ऐलान

- साउथ के फिल्ममेकर वामशी पेडिपल्ली के साथ काम करेंगे
- अप्रैल से शुरू होगी एक्शन थ्रिल फिल्म की शूटिंग

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान की नई फिल्म का ऐलान हो गया है. इस बार वे साउथ के फिल्ममेकर वामशी पेडिपल्ली और प्रोड्यूसर दिल राजू के साथ काम करेंगे. सोमवार को सलमान खान और प्रोडक्शन हाउस 'श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स' ने सोशल मीडिया पर प्रोजेक्ट की घोषणा की.

यह हाई-ऑक्टेन एक्शन ड्रामा है, जिसकी शूटिंग अप्रैल से शुरू होगी. सलमान ने वामशी पेडिपल्ली के साथ फोटो शेयर कर लिखा, 'दिल, दिमाग, जिगर से अप्रैल से वामशी पेडिपल्ली और दिल राजू के साथ.' फिल्म का अस्थायी नाम SVC63 है.

SVC63 बड़े बजट की एक्शन थ्रिलर है, जिसे बड़े पैमाने पर बनाया जा रहा है. इसमें हिंदी और दक्षिण भारतीय इंडस्ट्री के कलाकार शामिल होंगे. बताया गया है, 'यह फिल्म सलमान खान को पर्दे पर एक ऐसे अवतार में पेश करेगी, जैसा उनके फैंस ने इससे पहले कभी नहीं देखा होगा.

फिल्म की शूटिंग पूरे भारत में अलग-अलग लोकेशन पर होगी और 14 अप्रैल से मुंबई के सेट से शुरू होगी.

फिल्म का निर्देशन वामशी पेडिपल्ली करेंगे. वे साउथ सिनेमा के ऐसे डायरेक्टर हैं जो अपनी फिल्मों में इमोशन और स्टारडम को प्रभावी ढंग से पेश करते हैं. उन्होंने प्रभास के साथ 'मुन्ना' से करियर शुरू किया और बाद में 'येवादु' व 'महार्षि' जैसी हिट फिल्में दीं.

गर्मी में लू से बचाव के लिए समय रहते सावधानी बरतें

- शहरवासियों से डाक्टरों की अपील

भिवंडी. भिवंडी में दिन-ब-दिन बढ़ती गर्मी और तेज धूप के चलते नागरिकों के स्वास्थ्य पर असर पड़ने की आशंका बढ़ गई है.इसी को ध्यान में रखते हुए शहर के कुशल डाक्टरों ने लोगों से लू (उष्माघात) से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने की अपील की है.

गौरतलब हो कि, भिवंडी शहर में उत्कृष्ट चिकित्सा सुविधा की खातिर प्रसिद्ध **लीला जोशी अस्पताल** के **डॉ. विवेक जोशी** ने बताया कि तापमान में लगातार वृद्धि के कारण शरीर में पानी की कमी हो जाती है, जिससे लू लगने का खतरा बढ़ जाता है.डा जोशी के अनुसार,गर्मी के दौरान लू के लक्षणों में तेज बुखार, आंखों में जलन, अत्यधिक प्यास लगना, चक्कर आना, अधिक पसीना आना, उल्टी, घबराहट और अत्यधिक थकान शामिल हैं.गंभीर स्थिति में त्वचा का रंग नीला पड़ना, शरीर का तापमान अचानक कम होना, रक्तचाप गिरना और नाड़ी की गति धीमी होना जैसे लक्षण भी दिखाई दे सकते हैं. **द्रोण हेल्थ केयर** के शल्य चिकित्सक **डा. सुजीत यादव** का कहना है कि,भीषण गर्मी के मौसम में हल्के रंग, विशेष रूप से सफेद कपड़े पहनें और काले कपड़ों से बचें. दोपहर के समय तेज धूप में भारी काम करने से परहेज करें.सुबह घर से बाहर निकलते समय सिर को टोपी, दुपट्टा या रूमाल से ढकें. दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट के साथ सिर की अतिरिक्त सुरक्षा का ध्यान रखें.शरीर में पानी की कमी न हो, इसके लिए दिनभर पर्याप्त मात्रा में पानी पीना जरूरी है. इसके अलावा नींबू पानी, लस्सी और वाला (खस) का शरबत जैसे पेय पदार्थों का सेवन करना लाभदायक है.धूप से आने के तुरंत बाद फ्रिज का ठंडा पानी पीने से बचें.

आंखों की करें सुरक्षा

साईलीला अस्पताल के प्रसिद्ध **नेत्र चिकित्सक हेमाकर शेट्टी** का कहना है कि,आंखों की सुरक्षा के लिए सनग्लासेस का उपयोग करें और बाहर जाते समय पानी की बोतल साथ रखें.नेत्र चिकित्सक डॉ.शेट्टी ने नागरिकों से अपील की कि वे स्वयं के साथ-साथ अपने परिवार के सदस्यों का भी ध्यान रखें और गर्मी के मौसम में होने वाली नेत्र संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव करें.जरूरत होने पर कुशल डाक्टरों की परामर्श लेकर ही उपचार करें.

ठाणे शहर में चोरी और मारपीट की घटनाएं

ठाणे. शहर में जहां गाड़ी चोरी, सोने की चेन चोरी, मोबाइल फोन चोरी और आग लगने की घटनाएं बढ़ रही हैं, वहीं मारपीट और चोट लगने की घटनाएं भी बढ़ रही हैं, ठीक उसी समय, जब अलग-अलग पुलिस स्टेशनों में गाड़ी चोरी की घटनाएं रिपोर्ट हो रही थीं, शिकायत करने वाले मोहम्मद आरिफ शेख (उम्र 48) ने ठाणे के डायघर पुलिस स्टेशन की सीमा में अपनी टू-व्हीलर सड़क किनारे पार्क की और जूस पीने चले गए. उसी समय, 26 मार्च को शिलफाटा इलाके में एक चोर द्वारा दुकाली के पास चाबी न होने का फायदा उठाकर उनकी टू-व्हीलर चुराने की घटना सामने आई. इस बारे में दैघर पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है और शिकायत में कहा गया है कि चोरी हुए दोपहिया वाहन की कीमत 50,000 रुपये है. दैघर पुलिस आगे की जांच कर रही है. इस बीच, मुंब्रा इलाके में उधार के पैसे के विवाद में विवेक गुप्ता (उम्र 26) नाम के एक दुकानदार पर हमला होने की घटना सामने आई है. यह 27 मार्च, 2026 की दोपहर को हुआ और जब उसने उधार के पैसे मांगे, तो एमू आसिफ शेख ने गुस्से में विवेक पर लकड़ी के बांस से हमला कर उसे घायल कर दिया. शिकायत में यह भी बताया गया है कि वह भाग गया. इस बारे में मुंब्रा पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है और आगे की जांच चल रही है.

THE NAVJEEVAN CO.OP. BANK LTD.
ESTD : 1985
نوجیون کوآپریٹو بنک لمیٹید
NAV JEEVAN
CO-OP. BANK
Head Office:
Bhawani Saw Mills Compound,
Ulhasnagar-3.
☎: 0251-2572101:2568541/Fax 2567523
Visit us at: www.navjeevanbank.com
SERVICES AVAILABLE
Features and Services of Bank
- Different types of Deposits Schemes with Attractrive Deposits Rates.
- All types of Loans & Advances facilities with Competitive Rate.
- 24x7 NEFT/RTGS Services.
- Safe and Secure Mobile Banking Service with NEFT and RTGS Services.
- Franking Service in Ulhasnagar and Thane.
- Insurance Service through corporate Partners
Upcoming Service
Blocking & Unblocking ATM cards through SMS.

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099